सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती -पेज: 7

या वह अपना टॉक शो लॉन्च कर रही हैं कावेरी कपूर? -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 172 | सोमवार 29 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मोहन भागवत ने नागपुर में आरएसएस के पथ संचलन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को यहां संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों के वार्षिक पथ संचलन का निरीक्षण किया। आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में की थी। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित थे। वैसे तो पारंपरिक रूप से आरएसएस का पथ संचलन विजयादशमी या दशहरा के अवसर पर आयोजित किया जाता है, लेकिन इस वर्ष इसे त्योहार से कई दिन पहले निकाला गया। अलग-अलग पथ संचलन तीन स्थानों(कस्तूरचंद पार्क, यशवंत स्टेडियम और विदर्भ हॉकी ग्राउंड) से शुरू हुए और वेरायटी स्क्वायर पर एकत्रित हुए, जहां भागवत ने मंच से संयुक्त पंथसंचलन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर भागवत ने संघ प्रार्थना की ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की।

'मन की बात' में पीएम मोदी: आरएसएस की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन को बताया असली ताकत, बोले- हर काम में...

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि निस्वार्थ सेवा की भावना और अनुशासन का पाठ ही संघ की असली ताकत है और इसके असंख्य स्वयंसेवकों के हर कार्य में 'राष्ट्र प्रथम' को प्राथमिकता दी जाती है। प्रधानमंत्री ने रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम मन की बात' के 125वें संस्करण में स्वदेशी अपनाने पर एक बार फिर जोर दिया और लोगों से दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी की कोई वस्तु खरीदने का आग्रह किया। मोदी ने यह भी कहा कि सरकार 'छठ महापर्व' को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने आरएसएस की सराहना करते हुए कहा, अब से कुछ ही दिन बाद हम

विजयादशमी मनाएंगे। इस बार विजयादशमी एक और कारण से और भी खास है। इस दिन, आरएसएस अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सौ साल पुरानी यात्रा न केवल उल्लेखनीय बल्कि प्रेरणादायक भी है। उन्होंने कहा, सौ साल पहले, जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब हमारा देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। इस सदियों पुरानी गुलामी ने हमारे आत्मविश्वास और स्वाभिमान पर गहरा घाव किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लोगों में हीन भावना पनपने लगी थी। मोदी ने कहा, इसलिए, देश की आजादी के साथ-साथ, यह भी जरूरी था कि देश वैचारिक गुलामी से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि के बी हेडगेवार ने इसी उद्देश्य से 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का गठन किया था। मोदी ने कहा, उनके बाद, गुरु गोलवलकर जी ने राष्ट्र सेवा के इस महायज्ञ को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, निःस्वार्थ सेवा की भावना और अनुशासन का पाठ, यही संघ की असली ताकत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरएसएस पिछले 100 वर्षों से बिना रुके, बिना थके, राष्ट्र की सेवा में अथक परिश्रम कर रहा

सेवा की भावना और अनुशासन का पाठ ही संघ की असली ताकत ..

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि निस्वार्थ सेवा की भावना और अनुशासन का पाठ ही संघ की असली ताकत है और इसके असंख्य स्वयंसेवकों के हर कार्य में 'राष्ट्र प्रथम' को प्राथमिकता...

है। मोदी ने कहा, यही कारण है कि जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले वहां पहुंचते हैं। आरएसएस के असंख्य स्वयंसेवकों के हर कार्य में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना हमेशा सर्वोपरि होती है। प्रधानमंत्री ने नाविका सागर परिक्रमा के दौरान सच्चे साहस और अडिग संकल्प का उदाहरण पेश करने वाली महिला नौसेना अधिकारियों - लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा - से भी बात की। मोदी ने कहा कि हमारे त्योहार हमारी संस्कृति को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि छठ पूजा में डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य देव का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि कभी स्थानीय रहा यह पर्व अब एक वैश्विक पर्व बनता जा रहा है। मोदी ने कहा, सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के प्रयास कर रही है। जब ऐसा होगा, तो दुनिया के विभिन्न कोनों में लोग इस त्योहार की भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले सरकार के प्रयासों से कोलकाता की दुर्गा पूजा को यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया था। गांधी जयंती का उल्लेख करते हुए, मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद भारत में खादी के प्रति आकर्षण कम हो गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछले 11 वर्षों में, खादी के प्रति आकर्षण उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है और इसकी बिक्री लगातार बढ़ रही है। मोदी ने कहा, मैं आपसे दो अक्टूबर को खादी उत्पाद खरीदने का आग्रह करता हूं। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतीय, खासकर देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। लता मंगेशकर के योगदान की सराहना करते हुए

सोनम वांगचुक को देशविरोधी बताना निराधार, भारत-पाक क्रिकेट मुकाबले जारी; उद्धव ने केंद्र पर साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी): शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने को लेकर केंद्र सरकार की शनिवार को आलोचना की। उद्धव ने कहा कि जिस व्यक्ति ने हमारी सेना के लिए सौर टेंट तकनीक विकसित की, उसे राष्ट्र-विरोधी करार दिया जा रहा है, जबकि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति दी जा रही है। मुंबई में मीडिया से मुखातिब उद्धव ने देशभक्तों से रविवार को एशिया कप के फाइनल मुकाबले का बहिष्कार करने की भी अपील की, जिसमें भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम आमने-सामने होंगी। उन्होंने कंपनियों से भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान अपने उत्पादों के विज्ञापन न दिखने का भी आग्रह किया। वांगचुक

को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था और उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है। यह कदम केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर क्षेत्र में जारी प्रदर्शन के दो दिन पहले हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद उठाया गया था। हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और 90 अन्य घायल हो गए। वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सोनम वांगचुक ने दुर्गम इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए सौर टेंट तकनीक विकसित की। जो हमारी सेना के लिए काम कर रहा है, उसे राष्ट्र-विरोधी करार दिया गया है और एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया है, जबकि आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, जो भारत में आतंक फैलाता है। यह किस तरह की देशभक्ति है? लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' (केडीए) से जुड़े वांगचुक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और लेह तथा करगिल के निवासियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग को लेकर पांच साल से जारी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। लेह और करगिल केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा हैं। केंद्र सरकार ने 2019 में पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र-शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित कर दिया था। विपक्षी दल भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं।

त्योहारों के दौरान अराजकता फैलाने वालों को ऐसी सजा मिलेगी कि पीढ़ियां याद रखेंगी: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी अराजक हरकत के ऐसे परिणाम होंगे जिन्हें आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। मुख्यमंत्री कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। आदित्यनाथ ने कहा, अगर कोई त्योहारों के आनंद और उत्साह के दौरान उत्पात मचाने की कोशिश करेगा, तो उसे इस उत्पात की ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने कहा, ह्लकुछ लोग भारत में रहते हैं लेकिन गजवा ए हिंद का नारा लगाकर भारत के अंदर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। आदित्यनाथ ने कहा,

गजवा-ए-हिंद हिंदुस्तान की धरती पर नहीं होने दिया जाएगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना या उसका सपना देखना भी नर्क का रास्ता बना देगा। अगर कोई नर्क जाना चाहता है, तो वह गजवा-ए-हिंद के नाम पर अराजकता फैलाने का प्रयास करके दिखाए। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, जो कोई भी किसी राहगीर पर हमला करेगा, जो कोई भी किसी बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, और... जो कोई भी त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी करेगा, हम उसे

बरेली में 26 सितंबर को हिंसक झड़प होने के बाद उन्होंने यह चेतावनी दी। जुमे की नमाज के बाद कोतवाली क्षेत्र में एक मस्जिद के बाहर आई लव मुहम्मद के पोस्टर लिए

नर्क का एकतरफा टिकट देंगे। बरेली में 26 सितंबर को हिंसक झड़प होने के बाद उन्होंने यह चेतावनी दी। जुमे की नमाज के बाद कोतवाली क्षेत्र में एक मस्जिद के बाहर आई लव मुहम्मद के पोस्टर लिए भीड़ ने पुलिस के साथ मारपीट की थी। भीड़ कथित तौर पर स्थानीय मौलवी तौकीर रजा खान के एक प्रस्तावित एक विरोध प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज थी।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल, कहा-सरकार बताए कहां से आएगी इनके लिए राशि

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार की बजट तथा हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को गुमराह कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है। उन्होंने दावा किया, ह्यह्यबिहार का कुल बजट लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब दो लाख करोड़ रुपये वेतन, पेंशन और ब्याज जैसे प्रतिबद्ध मद में ही खर्च हो जाते हैं। इससे सरकार के पास योजनाओं और विकास कार्यों के लिए केवल लगभग

1.16 लाख करोड़ रुपये बचते हैं। ऐसे में ये घोषणाएं केवल जनता को भ्रमित करने और चुनावी माहौल बनाने का तरीका हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया, आखिर राज्य का राजस्व कैसे बढ़ेगा, राशि कहां से आएगी और घोषणाएं धरातल पर कब पूरी होंगी। तेजस्वी ने महिलाओं को 10 हजार रुपये की राशि देने की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसा कि नीतीश कुमार एक रुपया देकर बिहार का वर्तमान और भविष्य खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस बार जनता उन्हें हटाएगी भी और हराएगी भी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया, राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है। उन्होंने कहा, उन्हें (मुख्यमंत्री को) जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीतीश कुमार पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, पहले हम उन्हें भीष्म पितामह मानते थे, लेकिन अब वह भ्रष्टाचार के धृतराष्ट्र बन चुके हैं।

तमिलनाडु भगदड़ विवाद के बीच एक्टर विजय का डीएमके पर साजिश का आरोप, सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी): डिडिटल डेस्क, नई दिल्ली। अभिनेता और टीवीके चीफ विजय ने शनिवार को करूर में हुई रैली में भगदड़ के पीछे डीएमके की साजिश का आरोप लगाया है। डीएमके के वकील ने कहा कि पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसनें अदालत से एसआईटी गठित करने या मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया है। टीवीके की कानूनी शाखा के स्टेट कॉर्डिनेटर अरिवाझगन ने कहा कि वे कल उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के सामने यह मामला उठाएंगे। उन्होंने एनडीटीवी से कहा, "करूर की घटना में एक साजिश, एक आपराधिक साजिश थी, इसलिए हमने हाईकोर्ट से मामले की स्वतंत्र रूप से जांच करने का अनुरोध किया है, न कि किसी राज्य एजेंसी से। भगदड़ के पीछे डीएमके की साजिश - टीवीके यह पूछे जाने पर कि क्या टीवीके को राज्य पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं है, वकील ने जवाब दिया, "यह एक आपराधिक साजिश थी। हमें स्थानीय लोगों से विश्वसनीय जानकारी मिली है और हमारे

पास कुछ सीसीटीवी फुटेज भी हैं। इनसे पता चलता है कि करूर जिले में सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने आपराधिक साजिश रची थी।" तमिलनाडु भदगड़ पर हाईकोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार तमिलनाडु भगदड़ मामले पर मद्रास हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। भगदड़ में घायल एक पीड़ित ने याचिका दायर कर घटना की जांच होने तक टीवीके प्रमुख विजय की रैलियों पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में पीड़ित ने कहा, भगदड़ को दौरान उन्हें चोट आई हैं और यह घटना मात्र दुर्घटना नहीं हैं बल्कि लापरवाही, घोर कुप्रंधन और सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति पूरी तरह उपेक्षा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। करूर में विजय की रैली में हुई भगदड़ के दौरान 40 लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हो गए हैं। टीवीके की रैलियों पर रोक की मांग सेंथिलकन्नन ने कोर्ट से तमिलनाडु पुलिस को टीवीके की किसी भी रैली को इजाजत देने से रोकने की अपील की है और तर्क दिया है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा दांव पर हो तो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार को एकत्रित होने के अधिकार पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पीड़ित ने याचिका में घटना के संबंध में करूर टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR का भी हवाला दिया है। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की कई धाराओं का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें गैर-इरादतन हत्या का मामला भी शामिल है। याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि दोबारा अनुमति देने से पहले जवाबदेही तय की जानी चाहिए। शनिवार को टीवीके प्रमुख विजय की करूर के वेलुस्वामीपुरम में हुई रैली में भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तमिलनाडु पुलिस के डीजीपी जी वेंकटरमन के स्वीकार किया है कि अप्रत्याशित रूप से भारी भीड़ के बावजूद, रैली स्थल पर 500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

यूएन में जयशंकर ने गाजा नागरिकों के कष्ट पर उठाई आवाज, कहा-भुखमरी को युद्ध हथियार बनाना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के त्रिपक्षीय समूह IBSA ने गाजा पर जारी इजराइली हमलों की कड़ी निंदा की है और कब्जे वाले फिलीस्तीनी क्षेत्रों में नागरिकों की दयनीय स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के बाहर आयोजित इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा और दक्षिण अफ्रीका के मंत्री सिंडीसिवे चिकुंगा ने भाग लिया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा पट्टी में नागरिकों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाने का प्रयास पूरी तरह अस्वीकार्य है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने संबोधन में इजराइली हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि लंबे समय से जारी संघर्ष में आम नागरिकों को असाधारण पीड़ा उठानी पड़ रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संयुक्त प्रयास करने का आह्वान किया, ताकि इस मानवतावादी संकट को रोका जा सके।जयशंकर ने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट किया कि भारत हमेशा से अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार कानून का पालन करता रहा है। उन्होंने कहा, नागरिकों को निशाना बनाना या भुखमरी जैसे साधनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना वैश्विक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। ऐसे समय में हमें स्थायी शांति और युद्धविराम

की दिशा में काम करना होगा।ह्व भारत ने विशेष रूप से यह भी कहा कि वर्तमान संकट केवल गाजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में अस्थिरता को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघर्ष का समाधान केवल सैन्य बल या आक्रामकता से नहीं किया जा सकता, बल्कि कूटनीति, संवाद और

भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) ने गाजा पर इजराइली हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और स्थायी युद्धविराम के लिए जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।जयशंकर के भाषण में भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाने के प्रयास पर चिंता जताई गई और कहा गया कि वैश्विक समुदाय को इस पर कठोर नजर रखनी चाहिए। विश्लेषकों का कहना है कि भारत का यह कदम न केवल गाजा में फंसे नागरिकों के लिए एक स्पष्ट संदेश है, बल्कि वैश्विक स्तर पर यह संकेत है कि भारत किसी भी तरह के युद्ध और मानवता के खिलाफ कार्यों के खिलाफ आवाज बुलंद करता रहेगा। IBSA ने विशेष रूप से भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने की निंदा की और स्थायी युद्धविराम के लिए अपने आह्वान को दोहराया। समूह ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप इजराइली हमले तुरंत बंद हों, गाजा पट्टी से इजराइली सैनिक पूरी तरह पीछे हटें और हमास द्वारा बचे हुए बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो। एक बयान में व्हरअ ने कहा, ह्यह्यमंत्रियों ने कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और गाजा पर इजराइली हमलों की निंदा की, जो लगभग दो साल बाद भी नागरिक आबादी को अभूतपूर्व कष्ट दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर मानवाधिकार कानून का पालन करने की भी अपील की।इस बैठक की समयसीमा ऐसे दौर में आई है जब कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में फलस्तीनी राष्ट्र को औपचारिक मान्यता दी है।

संपादकीय

अमेरिका की राय

कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच का मामला बताते हुए अमेरिका द्वारा दोनों मुल्कों के दरम्यान कोई दबंगई न करने का इरादा जताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान पर छोड़ने की बात की। यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें भारत-पाक के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दे द्विपक्षीय रहने चाहिए। अमेरिका की तरफ से यह बयान उस वक्त आया है, जब ट्रंप पाकिस्तानी हुक्मरान के साथ बैठक कर रहे हैं और रणनीतिक साझेदारी, आतंकवाद निरोधी गठबंधन व अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं।

अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था जिसमें भारतीय सेना ने पीओके में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों में हमला कर सौ से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। उसके बाद से ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उनकी पहल के चलते ही संघर्ष विराम संभव हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति खुद को शांति के नोबल पुरस्कार का दावेदार बता कर विश्व शांति का मसीहा बनने का जबरदस्त प्रयास कर रहे हैं। हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है। व्यापार समझौतों को ढ़ाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद और पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह को खत्म करने के बहाने ट्रंप बिल्लयों के झगड़े में बंदर बनने की उतावली में नजर आ रहे हैं जो भारत को किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं। सहिष्णुता बरतने का यह मतलब नहीं है कि हम कड़े कदम उठाने से हिचकते हैं। भारत अपनी शक्ति और स्थिति से अब किसी तरह का समझौता करने को राजी नहीं।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है।

जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते। आप कैसे हैं? गुरु से हृदय खोलकर मन की गहराइयों में समाई अपने जीवन की आंतरिक व महत्वपूर्ण बातें करो। महत्वहीन या सांसारिक बातें न करो। यदि तुम गुरु के साथ निकटता अनुभव नहीं कर रहे, तो गुरु की आवश्यकता ही क्या है? वह तुम्हारे लिए केवल एक और बोझ है। बस, उसे अलविदा कह दो। तुम गुरु के साथ हो ताकि तुम गुरु के आनन्द में सहभागी हो, उनकी चेतना के सहभागी। इसके लिए पहले तुम्हें अपने आप को खाली करना है, जो पहले से है, उसे गुरु को दे देना है। मन में जितना भी कूड़ा हो, किसी भी प्रकार का, गुरु लेने के लिए तैयार हैं। तुम जैसे भी हो, गुरु तुम्हें स्वीकार कर लेंगे। वे अपनी ओर से बांटने को तैयार हैं- तुम्हें केवल अपनी ओर से तैयार होना है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नवरात्रि में करणी माता मंदिर का दिव्य दर्शन : आस्था, रहस्य और विकास का संगम

विनोद कुमार सिंह

राजस्थान की धरा शक्ति-भक्ति और लोकआस्था की गवाह रही है। बीकानेर से लगभग 30 किलोमीटर दूर देशनोक स्थित करणी माता मंदिर इसी आस्था का अद्भुत प्रतीक है।स्थानीय मान्यता के अनुसार लगभग 650 वर्ष पूर्व माँ करणी का अवतरण हुआ था।उन्हें शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा का अवतार माना जाता है।विवाह के उपरांत उन्होंने सांसारिक मोह त्यागकर गुफा में तपस्या की और करीब सौ वर्ष तक कठोर तप कर150 वर्ष तक जीवित रहीं।करणी माता बीकानेर और जोधपुर राजघरानों की कुलदेवी हैं।बीकानेर राज्य की नींव रखने में उनका आध्यात्मिक योगदान माना जाता है।आज भी उनके चमत्कारों और आशीर्वाद की अनगिनत कथाएँ लोकजीवन में जीवित हैं।

चूहों वाला अनूठा मंदिर -यह मंदिर ह्यचूहों वाली देवीह्न के रूप में विख्यात है।संगमरमर से निर्मित इस भव्यधाम का निर्माण बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह ने करवाया था।यहाँ लगभग 25 हजार चूहे,जिन्हें स्थानीय भाषा में काबा कहा जाता है,मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से विचरण करते हैं।यह अपने आप में अनूठा और अद्भुत रहस्य है कि इतनी बड़ी संख्या में चूहों के होने के बावजूद वे न तो किसी को नुकसान पहुंचाते हैं और न ही किसी वस्तु को कुतरते हैं।ऐसी मान्यता है कि करणी माता ने अपने वंशजों को 84 लाख योनियों के चक्र से मुक्त कर दिया था।उनके निधन के बाद वे पुनः काबा के रूप में इस मंदिर में जन्म लेते हैं और फिर मनुष्य योनि पाकर वंशज के रूप में जन्म ग्रहण करते हैं।

सफेद चूहे का चमत्कार -मंदिर में सफेद और काले दोनों प्रकार के चूहे रहते हैं।किंतु यदि किसी श्रद्धालु को दर्शन के समय सफेद चूहा दिखाई दे जाए तो इसे अत्यंत शुभ माना जाता है।ऐसा होने पर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उसका जीवन सुख-समृद्धि से भर जाता है।मंदिर की एक और अनूठी परंपरा यह है कि प्रसाद सबसे पहले चूहों के सामने रखा जाता है।काबा उसे चखते हैं और तत्पश्चात वही ह्यझूठा प्रसादह्न भक्तों में वितरित किया जाता है।श्रद्धालुओं के लिए यह प्रसाद महाप्रसाद के समान पवित्र और अमूल्य माना जाता है।

नवरात्रि और विशेष आयोजन -हर वर्ष नवरात्रि के अवसर पर देशनोक में भव्य मेले का आयोजन होता है।लाखों श्रद्धालु दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं।मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है।आश्विन शुक्ल सप्तमी को मां करणी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।यही कारण है कि नवरात्रि के दौरान देशनोक का वातावरण पूर्णतः -भक्तिमय हो जाता है।भक्तों की भीड़,चूहों की विचरण करती टोलियां और मंदिर का दिव्य आभामंडल एक अलौकिक दृश्य प्रस्तुत करता है।

करणी माता और सामाजिक समरसता -मुगल आक्रांताओं के समय जब भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर संकट था,तब माँ करणी का अवतरण हुआ।उन्होंने बीकानेर और जोधपुर राज्य की नींव मजबूत की और विभिन्न जाति-समुदायों पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखी।यह मंदिर आज भी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण है।

देशनोक अमृत भारत स्टेशन : विकास का नया अध्याय -धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के साथ-साथ अब देशनोक तेजी से विकास की ओर भी अग्रसर है। विगत 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर में 24 करोड़ रुपये की लागत से बने देशनोक अमृत भारत स्टेशन का उद्घाटन किया।यह स्टेशन न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराता है,बल्कि करणी माता मंदिर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए भी एक वरदान है। अमृत रेलवे स्टेशन देशनोक का भव्य रूप,विस्तृत परिसर, - 24 करोड़ की रेलवे पुनः उद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत इस रेलवे स्टेशन में आधुनिक प्रतीक्षालय और यात्री सुविधाएं क्षेत्रीय पर्यटन व धार्मिक यात्राओं की यात्रियों के लिए इस अमृत भारत रेलवे स्टेशन अधिक सुलभ बना रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन से पहले स्वयं करणी माता मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया था।यह घटना इस मंदिर की आध्यात्मिक महत्ता और देशव्यापी पहचान को और भी सशक्त बनाती है।

आस्था और आधुनिकता का संगम

करणी माता मंदिर आज भी आस्था, रहस्य और चमत्कार का केंद्र है। चूहों की अनगिनत उपस्थिति, सफेद चूहे की दुर्लभ झलक,भक्तों का अटूट विश्वास और मां के चमत्कार इस मंदिर को अद्वितीय बनाते हैं।

साथ ही,अमृत भारत स्टेशन जैसी विकास परियोजनाएं यह प्रमाणित करती हैं कि यह पावन धाम केवल धार्मिक महत्व ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के प्रगतिशील स्वरूप का भी प्रतीक बन रहा है।

नवरात्रि के पावन अवसर पर देशनोक करणी माता मंदिर का दर्शन भक्तों के लिए जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है।यह धाम जहां दिव्य आस्था का प्रतीक है,वहीं अब विकास की नई राह भी खोल रहा है।आस्था और आधुनिकता का यह अद्वितीय संगम भारत की उस सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करता है,जो सदियों से जनमानस को प्रेरित करती रही है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लेह हिंसा: संवाद से समाधान तक

ललित गर्ग

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिंताजनक हैं। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भाजपा के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंकदिया। आम तौर पर शांत रहने वाले प्रदेश में यह बड़ी घटना है।

दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। एक ओर यह घटना जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं यह संकेत भी देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए

के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया था। तब वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति, स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएं बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया।

हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का संदेश विफल हो गया। युवा गलत रास्ते पर जाएंगे तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जाएंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना नये सूरज का उदय होना है। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले। उनकी यह भी मांग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने उनके असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। युवा बेरोजगारी भी बड़क्ष मुद्दा रही है। स्थानीय युवा अब कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिए विशेष अभियान भी नहीं चला जिससे प्रदेश में खासा रोष रहा है।

लद्दाख की जनता में असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएं जैसे हिल डवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं, और महत्त्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। लद्दाख की जनता चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहां तक न पहुंचती।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

खौफजदा हैं आपदा की त्रासदी के दृश्य, सुरक्षित करना होगा भविष्य

आपदा की त्रासदी के दृश्य बहुत ही खौफजदा हैं भविष्य को सुरक्षित करना होगा। आपदा से सबक सीखने होगें तभी असमय होने वाली बाढ़ की घटनाओं को रोका जा सकता है। देवभूमि हिमाचल में ये आपदाओं की घटनाएं नई नहीं हैं सदियों गवाह हैं कि पहले भी देवभूमि में भयंकर आपदाऐं आती थी तबाही लाती थी लेकिन मानवीय तबाही नहीं होती थी क्योंकि तब आबादी कम थी गिने चुने कच्चे घर होतें थे जमीनें खाली थी पानी की निकासी आसानी से होती थी।प्रदेश में कंक्रीट के जंगल बन रहे हैं।जल इक्कठा होने से जलप्रलय होता है और जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है।अवैध खनन से खडडों का स्वरुप बदल गया है। हर जगह नदी नालों के किनारे मकानों का निर्माण हो गया है। खनन हो रहा है फोरलेन के लिय पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटा जा रहा है।प्रकृति से अंधाधुध छेड़छाड़ हो रही है।नदियां अपना रास्ता बदल रही है और बेहिसाब तबाही मचा रही हैं।छोटे छोटे नाले भी तबाही मचा रहे है। बरसात के पानी की निकासी अवरुद्ध होती जा रही है नतीजन तबाही होना स्वाभविक है। बीते सालों 2018 , 2022, 2023, 2024, में हुई तबाहीयों के जख्म अभी तक नहीं भर पाए हैं चार वर्षों से तबाही ही तबाही हो रही है। गत वर्ष 2024 में आनी के निरमंड में बादल फटने से समेज गांव में बहुत त्रासदी हुई जहां 45 लोग बेमौत मारे गए थे । 2025 में सैंज के पंग्लीयूर में एक ही परिवार के नौ लोग मारे गए है।आनी में भी एक ही परिवार के आठ लोग मकान के जमींदोज होने से जिंदा दफन हो गए। 2025 की बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे गई।जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। प्रतिवर्ष मानवीय त्रासदियां हो रही हैं 2025 की बरसात सदियों तक याद रहेगी।सराज से शुरू हुए बरसात का आगाज का बहुत ही खौफनाक अंजाम हर जिला भुगत रहा है। 30 जून 2025 से लेकर 20 सितंबर तक बरसात का कहर बरपता रहा अभी कहीं कहीं छिटपुट बरसात हो रही है। सितंबर 2025 तक, हिमाचल प्रदेश में मानसून के कारण 46 बादल फटने, 98 अचानक बाढ़ और 146 बड़े भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 424 लोगों की मौत हुई है और लगभग 481 लोग घायल हुए हैं। प्रदेश को 4500 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है और 15022 संरचनाओं को क्षति हुई है, जिसमें 1502 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं।लाचता हुए लोग अभी तक नहीं मिल रहे हैं। भयावह त्रासदी के बाद अब जीवन पटरी पर लौटने लगा है। त्रासदी में खोये अपनों के गम में रात दिन रोते रहे लोगों की आखों के आंसू सूख चुके हैं आखें पथरा गई हैं क्योकि आखों के सामने सब उजड़ गया आशियाने उजड़ चुके हैं। अपनों को खोने का गम क्या होता है यह वही जान सकता है जिसने आखों के सामने अपनों को बहते देखा हो। तिनका तिनका बिखरा है अब मुआबजा मिलेगा तभी नए आशियाने बन सकते हैं। उम्र भर की पसीने की कमाई से बनाए घर तबाह हाक गए। पल भर में सब तबाह हो गया आलिशान आशियाने मिटटी में मिल गए अब मलवे के ढेर ही बचे हैं। जो बीत गया है वह बीत गया अब आपदा से बचने के लिए नदी नालों के किनारे निर्माण पर पूर्ण पावदीं लगानी होगी ताकि जीवन बच सके ।नये सिरे से जीवन शुरू करना होगा तबाही का मंजर याद आता है तो आत्मा सिहर उठती है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी रहा।सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव किया।अगस्त से सितंबर तक बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखाए है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो चुके हैं।बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गाड़ियां फिसल रही थी मकान जमीदोज हो रहे थे परिवार के परिवार खत्म हो रहे थे। चारों तरफ चीत्कार मची हुई थी। मानसून का कहर लोगों को मौत गया हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो चुके है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ हैं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर से भरमौर तक पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। पूरे राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिर्दगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रज्जीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी।

कल्याणी महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ की आम सभा का किया गया आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को मिशन शक्ति के अंतर्गत विकासखंड गंगेश्वरी के कल्याणी महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ रहरई की आम सभा का आयोजन विकास खंड सभागार मे किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अश्विनी कुमार खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम का संचालन यादराम ब्लॉक मिशन प्रबंधक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदीयो को प्रस्तुति करण किया गया व खंड विकास अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदीओ को उपहार देकर सम्मानित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली बैंक सखी कविता, समूह सखी शशिबाला को सम्मानित किया गया। खंड विकास अधिकारी द्वारा दीदीओ को ग्राम संगठन एवं सीसीएल स्तर पर मिलकर आजीविका बढ़ाने हेतु जोर दिया एवं कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राजकुमार सिंह द्वारा भी दीदीयों को सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, जिन दीदियों पर 10 बकरियों है उनकी संख्या बढ़ाएं जिससे आप कि आय दुगनी हो जाये, फूलों की खेती, शहद उत्पादन कर के आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही कॉस्मेटिक एवं ब्यूटी पार्लर की दुकान, जैविक खेती के बारे में जानकारी दी गई। गन्ने से गुड़ बनाने के बारे में जानकारी दी गई। आगे कहा कि जो भी दीदी सिलाई का कार्य कर रही हैं वह सिलाई का कार्य अधिक मात्रा में करें। जिससे उनकी आय दुगनी हो सके, अन्य शासन द्वारा संचालित योजना की जानकारी देकर आजीविका बढ़ाने के लिए अवगत कराया गया। उसके बाद ब्लॉक मिशन प्रबंधक घनश्याम द्वारा दीदीओ की आय बढ़ाने के लिए पुरी लगन और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में प्रीती अध्यक्ष सी एल एफ द्वारा बताया गया कि जब हम समूह से जुड़े नहीं थे तब हम को बात करने मे भी डर लगता था और हमें फोन चलाना भी नहीं आता था। समूह से जुड़ने के बाद मेरा बी सी सखी में चयन हो गया और आज हम न ही बात करने में किसी से डरते है और हमने एक दुकान खोली है जिससे आज हम सभी प्रकार के फॉर्म ऑनलाइन करते है तथा पैसे भी खातों से भी पैसे निकाल कर देते हैं। जिससे कि मेरी महीने की आय 13000 रुपए तक हो जाती है। कार्यक्रम में ग्राम संगठन एवं सीएलएफ पदाधिकारी , बैंक सखी ,समूह सखी, स्वास्थ्य सखी , महिला मेठ,सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राज कुमार सिंह, खन्ड विकास अधिकारी अश्विनी कुमार सिंह,ब्लाक मिशन प्रबंधन यादराम, घनश्याम, विश्वजीत सिंह उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के अंतर्गत अलग अलग छात्राओं को बनाया गया एक दिन के लिए चौकी इंचार्ज

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रूखालू न्याय पंचायत की छात्राओं ने गंगानगर टी पाइंट पुलिस चौकी पहुंचकर चौकी का भ्रमण किया और पुलिस द्वारा कार्य करने की जानकारियां हासिल की। उसके बाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय जयतौली की कक्षा 8 की छात्रा आफरीन, प्राथमिक विद्यालय जयतौली की कक्षा 5 की छात्रा अंशू, प्राथमिक विद्यालय महमूदाबाद की कक्षा 5 की छात्रा प्रवेश एवं प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर की कक्षा--5 की छात्रा संजना को एक दिन का चौकी इंचार्ज बनाया गया। उपस्थित छात्र छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर व FIR लिखने तथा अन्य नियमों के बारे में जानकारी दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने आने वाले फरियादी की समस्याओं को सुना और पुलिस की बारीकियों को भी जाना। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह, पवन चौहान,राजकुमार सिंह, राजेश कुमार,अमनीश त्यागी, रशीद अली सोनम वर्मा प्रियंका आदि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक हरपाल सिंह पर हुए हमले को लेकर किया गया बैठक का आयोजन

बैठक में हमलावरो की गिरफ्तारी के लिए उठाई गई आवाज

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) शनिवार को हसनपुर नगर के अंबेडकर पार्क पर अनुसूचित समाज के व्यक्तियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अनुसूचित जाति समाज के लोगों ने एक स्वर में पूर्व विधायक हरपाल सिंह पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि मामले में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द नहीं की गई तो अनुसूचित जाति महासभा आज जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपेगी। बैठक में वरिषठ शिक्षक रामवीर सिंह ने कहा कि पूर्व विधायक व चेयरपर्सन गजरौला हरपाल सिंह पर जो हमला हुआ है वह बहुत ही निंदनीय है। यह हमला सोची समझी रणनीति के तहत पूरे अनुसूचित समाज की आवाज को दबाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि वह इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। और कहा कि अगर इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो तो आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएं।इस प्रकार की घटनाओं से समाज में असंतोष पनपता है। उन्होंने बताया कि अगर पुलिस प्रशासन द्वारा नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी शीघ्र नहीं की जाती है तो आज यानी कि सोमवार को 3:00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पर एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन कर ज्ञापन सौपा जाएगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने सामूहिक रूप में एक स्वर में कहा कि यह हमला लोकतंत्र और सामाजिक न्याय पर सीधे-सीधे कठुराघात है । सभी ने एक स्वर में नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग उठाई। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक विनोद कुमार गौतम, करणवीर सिंह, ब्रहमज्ञान, रोहताश उर्फ डब्लू भैय्या, मुकेश जाटव,जगवीर मौर्य,रूपराम सिंह,दिनेश सिंह, थान सिंह, सुरेश चंद्र,अशोक कुमार, चमनलाल, सुरेश सिंह,बबलू गौतम,फतेह चंद, संजीव कुमार, कपिल कुमार, राहुल कुमार,मुखराम सिह आदि मौजूद रहे।बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक जयवीर सिंह ने की एवं संचालन वरिष्ठ शिक्षक जगवीर सिंह ने किया।

नेशनल हाईवे 9 पर रोडवेज बस व ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर

हादसे में बस चालक की मौत,बीस यात्री घायल,सभी घायल निजी अस्पताल में भर्ती

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर उसे समय अफरा तफरी मच गई जब एक रोडवेज बस एवं ट्रैक्टर ट्राली की भयंकर टक्कर हो गई। हाईवे पर हुई इस भयंकर टक्कर में बस में सवार करीब 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं बस चालक की भी मौके पर मौत हो गई ,हादसे में घायल सभी लोगों को निकट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई जिस कारण हाइवे पर भी भारी जाम लग गया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित गांव शाहबाजपुर डोर के पुल का है, जहां पर एक रोडवेज बस एवं ट्रैक्टर ट्राली की आपस में भयंकर टक्कर हो गई, टक्कर होते ही ट्रैक्टर के पीछे जुड़ी ट्राली पलट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा शनिवार की देर रात का बताया जा रहा है, बताया जा रहा है कि संभल जिले के खानपुर गांव निवासी मुख्तियार धान से भरी ट्रैक्टर ट्राली लेकर दिल्ली की और जा रहे थे जैसे ही वह हाईवे पर गांव शाहाबाद पर डोर के पास पुल के ऊपर पहुंचे तो हरदोई से दिल्ली जा रही एक रोडवेज बस अनियंत्रित होकर आगे चल रही ट्रैक्टर ट्राली से जा टकराई, टक्कर लगते ही ट्रैक्टर के पीछे जुड़ी ट्राली हाईवे पर पलटी खा गई और उसमें भरे धान हाईवे पर बिखर गए।इस दौरान एक कार भी हादसे की चपेट में आ गई, वहीं इस हादसे में बस में सवार 20 यात्री बुरी तरह से चोटिल हो गए और बस चालक जन्मुद्दीन निवासी अल्लापुर थाना-शाहाबाद,हरदोई की मौके पर ही मौत हो गई।हादसा होने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, हाईवे पर लंबा जाम लग गया ,जिसको मौके पर पहुंची पुलिस ने बमुश्किल खुलवाया, वहीं इस हादसे में घायल लोगों को निकट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बस चालक की मौत की पुष्टि करते हुए बताया है कि घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस द्वारा कब्जे में ले लिया गया है और यातायात भी सुचारू कर दिया गया है।

मेरठ में आयोजित होगी भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ की महापंचायत

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ के आव्हान पर मेरठ में आयोजित होने वाली महापंचायत में जिला अमरोहा शिक्षक प्रकोष्ठ टीम को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी दानवीर सिंह के द्वारा काफिले की सभी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी दानवीर सिंह ने कहा कि हम किसी भी शिक्षक का अहित नहीं होने देंगे और सरकार को यह अध्यादेश प्रकरण में अध्यादेश लाकर समाधान करना ही होगा तथा उन्होंने शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राकेश की पीठ थप थपाई की आपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पुरजोर मेहनत की है। आज टेट के विरोध में जिला अमरोहा से 600 शिक्षक मेरठ की क्रांति धरा पर पहुंच रहे हैं। जिसमें युवा के जिला अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन मोहन बेनीवाल यतेंद्र चौधरी और शुभम चौधरी राकेश चाहल जिला अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को यह अध्यादेश वापस लेना पड़ेगा। अन्यथा इसके लिए शिक्षक प्रकोष्ठ भारतीय किसान यूनियन लंबी लड़ाई लड़ेगा और राकेश टिकैत ने भी आशीर्वाद देकर कहा है कि हम शिक्षकों की लड़ाई लड़ेंगे। भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संरक्षक तेजपाल सिंह पुरुजीत सिंहऔर जिला कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार राजकुमार सिंह जागेश सिंह मर्सल हुसैन अनीस अहमद अमित धारीवाल सचिन यादव पुनीत चौधरी अजीत गिल दुष्यंत पाल चौधरी नामित चौधरी मोहित कटारिया हेमराज कोहली विजय धाम सुशील नगर जमशेद शरीफ मतीन अहमद पूनम रानी शर्मा और अकील राज राजदीप सिरोही सतपाल सिंह जगबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विधायक राजीव तरारा ने दिव्यांगों को वितरित किए सहायक उपकरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के ज्ञान भारती इण्टर कालेज गजरौला के सभागार में सेवा पखवाड़ा एवं कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत सेवा पखवाड़ा अभियान के अन्तर्गत 20 जोड़ी बैसाखी व 02 जोड़ी कान की मशीन राजीव तरारा विधायक धनौरा एवं अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं सहित वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजीव तरारा विधायक ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार उपकरणों को देकर उनके जीवन-यापन को सरल किये जाने का काम किया है और सेवा भाव के माध्यम से उत्तर प्रदेश को विकसित किये जाने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। दिव्यांग पेंशन सभी को समय पर प्राप्त हो रही है और मेरे द्वारा दिव्यांग पेंशन की धनराशि बढ़ाये जाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने हेतु संदेश कि दिव्यांगजन अपने को कमजोर न समझे, सरकार आपके साथ है, बेहतर से बेहतर मदद मुख्यमंत्री द्वारा करायी जा रही है। वितरण कार्यक्रम में शिखा शर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारी एवं समस्त दिव्यांगजनों व उनके साथ उनके माता-पिता को अपनी विभागीय योजनाएँ जैसे- कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना, के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में वितरण कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को बेहतर भविष्य व शुभ नवरात्रि की बधाई देते हुए उपस्थित सभी व्यक्तियों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। स अवसर पर शिखा शर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अमरोहा, धर्मेन्द्र कुमार, नूर हसन, अमित उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शों के क्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान स्वालंबन हेतु एवं विभागीय कार्य योजनाओं में जनसहभागिता करने, महिलाओं को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से परिलक्षित किए जाने हेतु ग्राम पंचायत सिवौरा में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया। बैठक में बाल विकास परियोजना अधिकारी संजीव सिंह, मुख्य सेविका निधि एवं आकांक्षा, ग्राम प्रधान आंगनबाड़ी कार्यकत्रिया, आशा एवं समूह की महिलाओं द्वारा प्रतिभा किया गया।

शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं द्वारा शहीद भगत सिंह की 118 वीं जयंती पर नगर पालिका में स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि देश की आजादी के लिए शहीद भगत सिंह ने मात्र 23 साल की अल्पायु में ही अपने प्राणों की आहूति दे दी थी। उनके बलिदान को हमेशा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने राष्ट्र हित के लिए जीवन में स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग पर बल दिया। कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण में अपने देश के बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलता है आगे कहा कि विदेश निर्मित वस्तुओं को खरीदने से देश का बहुत पैसा टैक्स के रूप में ऐसे देशों में भी चला जाता है जो इस पैसे का प्रयोग भारत को कमजोर बनाने के लिए करते हैं।उधर, नगलिया मुंशी में राष्ट्रीय संरक्षक रूपचंद चौहान के आवास पर गोष्ठी हुई। जिसमें वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे। राष्ट्रीय प्रवक्ता बी के एस महीपाल सिंह ने कहा कि देश के युवाओं को शहीद भगत सिंह से प्रेरणा लेकर आगे आना चाहिए। इस मौके पर इंद्रेश सिंह प्रधान, मास्टर हरिराज सिंह, मोनू अग्रवाल, राजपाल सिंह, मधुर कुमार, मुकेश कुमार, दुष्यंत देवल शुभम सिंह आदि मौजूद रहे।

भारत की मिट्टी भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा' को सफल बनाने का संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार अधाना के नेतृत्व में शनिवार को हसनपुर में आयोजित जनसभा ने 'भारत की मिट्टी भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा' को सफल बनाने के लिए आह्वान किया। भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के तत्वावधान में होने वाली यह यात्रा 3 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू होकर लखनऊ पहुंचेगी, जिसका उद्देश्य देश की उन्नति के लिए एकता और सहयोग को मजबूत करना है। जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संरक्षक एवं राष्ट्रीय समन्वय अधिकारी प्रोफेसर विनोद नागर ने विकास के साथ-साथ शिक्षा पर जोर देते हुए संगठन विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा,देश की प्रगति के लिए आपसी सहयोग और एकता अनिवार्य है। यह यात्रा स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनेगी। प्रोफेसर नागर ने सभी कार्यकताओं को यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में संभल जिले के जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न जिलों के सैकड़ों कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रमुख अतिथियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत राष्ट्रीय सेवक संघ विनोद नागर (राष्ट्रीय समन्वय अधिकारी), राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार अधाना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धीरज सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता देवेंद्र सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह अधाना, केके वर्मा (रीजनल डायरेक्टर, भारत सरकार), प्रदेश प्रवक्ता निजाम प्रधान, समाजसेवी डॉ. विशाखा त्यागी, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, अमरोहा जिला अध्यक्ष दीपक गुर्जर, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, युवा जिला प्रभारी एवं मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील महासचिव चौ. ऋषिपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष (अमरोहा) मेहंदी हसन, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार बाबूजी, रोहित हष्यार्ना, शेरपाल सिंह प्रधान, ठाकुर भूपेन्द्र सिंह, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, वरिष्ठ कार्यकर्ता सेवक सैनी, मो. हसन, गयूर अली, चौ. चरण सिंह आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद भर में सभी थानो पर गठित टीमों द्वारा महिलाओं को किया जागरुक

स्कूल/कालेज मे पढने वाली बच्चियों/छात्राओं को सरल भाषा में गुड टच बैड टच के बारे में भी दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी मिशन शक्ति फेज-5.0 अखिलेश भदौरिया व क्षेत्राधिकारीयो के द्वारा रन फॉर एमपावरमेंट कार्यक्रम एवं छात्राओं द्वारा बाल विवाह, महिला शिक्षा, लैंगिक समानता और आत्मनिर्भरता जैसे सामाजिक विषयों पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुत के साथ थाना मिशन शक्ति टीम द्वारा अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें महिला थाना प्रभारी मिनाक्षी गुप्ता, उ0नि0 ममिता, म0का0 प्रिया द्वारा मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत चलाये गये रन फॉर एमपावरमेंट कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया गया । म0का0 रेखा रानी, म0का0 पूनम सैनी द्वारा थाना अमरोहा देहात क्षेत्रान्तर्गत संत निरंकारी भवन में महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत जागरूक किया गया एवं गाँव रामहट में महिलाओं की चौपाल लगाकर सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं हेल्पलाइन नम्बरो से अवगत कराया गया। म0का0 रीना व म0का0 पिंकी कुमारी द्वारा थाना धनौरा क्षेत्रान्तर्गत महादेव मंदिर एवं रामलीला ग्राउंड के पास महिलाओं एवं बालिकाओं को पैम्पलेट वितरित किये गये। उ0नि0 रानी यादव, म0का0 ममता राजपूत, म0का0 स्वाति सिंह द्वारा गांव खेडका में चौपाल व उ0नि0 शिव कुमार,का0 गौरव कुमार, का0 प्रवीण कुमार व म0का0 वर्षा रानी द्वारा कस्बा व थाना सैदनगली क्षेत्रान्तर्गत बाजारो, बस स्टैन्ड आदि पर महिलाओं को मिशन शक्ति फेज-5 के तहत पैम्पलेट वितरित गिये गये। थानाध्यक्ष प्रिया रानी व म0का0 हेमा चौधारी द्वारा गाँव तिगरिया भूड व गाँव फाजलपुर में बालिकाओं/महिलाओं की चौपाल लगाकर मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत जानकारी दी गयी। हे0का0 कविता व म0का0 रचना द्वारा थाना रजबपुर क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर में जाकर महिलाओं को मिशन शक्ति की जानकारी दी गयी।साथ ही बाजार,चौराहों,तिराहो पर बेवजह खडे लडको को चेतावनी देकर हटाया गया। उ0नि0 प्रेम पाल, उ0नि0 नेहा नेहरा, म0का0 प्रियंका व म0का0 पूजा द्वारा हसनपुर कस्बा स्थित अंबेडकर चौराहा एवं रहरा अड्डे पर महिलाओं/बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरो की जानकरी दी गयी। म0का0 ज्योति व म0का0 सोनिया द्वारा थानाक्षेत्रान्तर्गत ग्राम आदमपुर में महिलाओं/बालिकाओं को पेम्पलेट वितरित कर हेल्पलाइन नम्बरो से अवगत कराया गया। मिशन शक्ति टीम द्वारा पेम्पलेट आदि वितरण कर जानकारी दी गयी। उ0नि0 संजोग तोमर, म0हे0का0 पारुल,म0का0 ममता द्वारा थाना परिसर में महिलाओ की चौपाल लगाकर सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में अवगत कराया एवं हेल्प लाइन नम्बरो की जानकारी दी गयी । मिशन शक्ति फेज -5 कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में समस्त थानो के क्षेत्रान्तर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को सरल तरीके से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया गया । बालिकाओं को बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) और बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों की पहचान, उनसे सुरक्षा के उपाय, एवं उनके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, साइबर अपराध, और अन्य बाल अपराधों के विषय में भी बच्चों को अवगत कराया गया । मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को 1098 (चाइल्डलाइन हेल्प नंबर) एवं 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें । मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे कभी भी किसी असामान्य तथा असहज स्थिति का सामना करें, तो निडर होकर अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी को बताएं ।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना तथा शासन द्वारा उनके सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें पम्प्लेट वितरित किए गए ।

सभासद ने खनन अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पत्र में अवैध उगाही व झूठी एफ आई आर लिखवाने का लगाया आरोप

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पंचायत के वार्ड 6 के सभासद अमित गुर्जर ने संभल जिले के खनन अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। गुर्जर ने आरोप लगाया कि खनन अधिकारी ने उन्हें धमकाया, उगाही की कोशिश की, और उनके खिलाफ झूठी ऋक्षक्ष दर्ज कराई। घटना 20 सितंबर को सैदनगली में हुई, जब गुर्जर अपने बेटे को स्कूल से लेने गए थे। एक पड़ोसी ने बताया कि खनन अधिकारी उनके खेत में अवैध खनन का आरोप लगाकर पैसे मांग रहे हैं। मौके पर पहुंचकर गुर्जर ने वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की, जिसके बाद अधिकारी ने उन्हें धमकाया और झूठा केस दर्ज करने की चेतावनी दी। गुर्जर का दावा है कि मामला अमरोहा जिले का था, लेकिन अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए संभल के एचोड़ा थाने में उनके खिलाफ खनन नियमों के उल्लंघन की झूठी ऋक्षक्ष दर्ज कराई। उन्होंने इसे अपनी छवि खराब करने की साजिश करार दिया और दावा किया कि उनके पास वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग के रूप में सबूत मौजूद हैं। सभासद ने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और चेतावनी दी है कि कार्रवाई न होने पर वह उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। इस घटना ने खनन विभाग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों के दुरुपयोग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब इस पूरे मामले की जानकारी करने के लिए खनन अधिकारी संभल का फोन किया गया तो उनका फोन रिसीव नहीं हो सका।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक उन्मूलन अभियान को लेकर निकाली जागरूकता रैली

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद द्वारा "स्वच्छता ही सेवा 2025" स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत प्लास्टिक उन्मूलन अभियान रैली निकाली गयी जो नगर पालिका परिषद अमरोहा के टाउन हॉल से आरम्भ होकर नगर के कोट चौराहा, बाजार शफात पोता, घेर मुनाफ, सरार्फा बाजार, बाजार गुजरी, बसावन गंज चौराहा, मार्किट, कोतवाली, बड़ा बाजार, मंडी चौब, आजाद रोड, अर्जुन सिनेमा होते हुए नगर पालिका जाकर समाप्त हुई। इस अभियान का नेतृत्व नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन, व डॉ. बृजेश कुमार उप नगर आयुक्त नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा किया गया। रैली मे पालिका के अधिकारी / कर्मचारी बड़ी संख्या मे बैनर, हाथो मे प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन के दुष्प्रभावो व उनसे बचाव लिखें सन्देश लिखी तख्ती लेकर चल रहे थे अभियान/ रैली के दौरान अध्यक्ष शशि जैन व पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार ने दुकानदारों को पॉलिथीन के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों और प्लास्टिक से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किया। साथ ही उन्होंने दुकानदारों एवं नागरिकों से पॉलिथीन का उपयोग न करने तथा जूट और कपड़े के थैलों को अपनाने की अपील की। बाजारो मे प्लास्टिक का थैला आदि मे सामान लेकर जा रहे लोगो को पालिका अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी द्वारा कपडे का बना थैला उपहार स्वरूप भेंट करते हुए अनुरोध किया गया की आप लोग जब भी घरों से बाहर बाजारो मे खरीदारी करने जाएँ तो कपडे अथवा जूट का बना थैला ही घर से साथ लेकर जाएँ। रैली मार्ग पर स्थित डेयरी संचालको को हिदायत दी गयी की वह दूध, दही, घी आदि प्लास्टिक पॉलीथिन मे कदापि न दें, अपनी दुकान पर इस आशय का नोटिस बोर्ड लगवा दें की यहाँ प्लास्टिक से बनी सिंगल यूज थैली का प्रयोग नहीं किया जाता है सभी ग्राहक दूध, दही, घी इत्यादि लेने हेतु बाल्टी अथवा बर्तन लेकर आएं। इसी प्रकार मेडिकल स्टोर, फड, सब्जी, ठेले वाले, रेडिमेड वस्त्रो के दुकानदार आदि को इस बारे मे जागरूक करते हुए अनुरोध किया गया की आप लोग प्रतिबंधित थैली का प्रयोग बिलकुल न करे इस हेतु कपडे, कागज, के बने थैलो का प्रयोग करें। भविष्य मे यदि प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन अथवा अन्य सामग्री का उत्पादन, प्रयोग, बिक्री, वितरण पाया जाता है तो संबंधित से निर्धारित जुमार्ना वसूला जायेगा व सामग्री जब्त करते हुए संबंधित के विरुद्ध नियम संगत कार्यवाही की जाएगी। रैली मे बड़ी संख्या मे पालिका अधिकारी, कर्मचारी, आई. टी. सी. मिशन सुनहरा कल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत दौड़ कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। प्रातः 07:00 बजे मण्डी समिति, अमरोहा से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यह दौड़ जी0आई0सी0 अमरोहा के क्रीड़ा मैदान पर सम्पन्न हुई। के0जी0बी0वी0 जोया, अमरोहा ग्रामीण एवं अमरोहा नगर की छात्राओं ने इस रन फॉर एमपॉवरमेंट में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्राओं की अनुशासित भागीदारी और ऊर्जा ने सभी को प्रेरित किया तथा महिला सशक्तिकरण का सकारात्मक संदेश दिया। दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक, अमरोहा ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रथम स्थान : काजल पुत्री महर सिंह (के0जी0बी0वी0 अमरोहा ग्रामीण) 5000, द्वितीय स्थान : सोफिया पुत्री बाबू खाँ (के0जी0बी0वी0 अमरोहा) 3000, तृतीय स्थान : शिक्षा पुत्री राजेन्द्र सिंह (के0जी0बी0वी0 जोया) 2000 इस सम्मान समारोह ने छात्राओं में आत्मविश्वास व प्रतिस्पर्धात्मक भावना को और अधिक प्रबल किया। क्रीड़ा स्थल पर छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। के0जी0बी0वी0 जोया की छात्रा सामिया ने बाल विवाह पर आधारित प्रभावी नाट्य प्रस्तुति दी, जिसे पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा सराहा गया एवं पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त के0जी0बी0वी0 की छात्राएँ कु0 कनिका, कु0 निक्की, कु0 दामिनी, कु0 भावना, कु0 अंजलि, कु0 प्रियांशी, कु0 गुलनाज, कु0 जोया, कु0 निधि, कु0 शशि, कु0 अनामिका, कु0 हिमाशु एवं कु0 हर्षिता (अमरोहा देहात) द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटकईको उपस्थित अधिकारियों एवं जनसामान्य ने अत्यंत सराहा।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भारत भूषण (खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय) एवं मनोज कुमार (जिला समन्वयक, बालिका शिक्षा) ने मुख्य अतिथि सहित सभी अधिकारियों,अध्यापकों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आरती गुप्ता (खण्ड शिक्षा अधिकारी, गजरौला), अनिल कुमार (खण्ड शिक्षा अधिकारी, गंगेश्वरी), प्रकाश चन्द्र (खण्ड शिक्षा अधिकारी, धनौरा), सोनू कुमार (खण्ड शिक्षा अधिकारी, अमरोहा) एवं ज्योति शेखर (जिला समन्वयक, एम0आई0एस0) का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। रन फॉर एमपॉवरमेंट के इस आयोजन ने यह सशक्त संदेश दिया कि शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बालिकाएँ ही समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार हैं। मौके पर उपस्थित जनसमुदाय ने छात्राओं के उत्साह, प्रतिभा एवं प्रस्तुतियों को भविष्य के लिए प्रेरणादायी बताया।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एक दिन के लिए दिशा बनी प्रधानाचार्य मेघा बनी उप प्रधानाचार्य

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र बहजोई स्थित हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज में शनिवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 9 की छात्रा दिशा को एक दिन के लिए प्रधानाचार्य और कक्षा 11 की छात्रा मेघा को उप-प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। दोनों छात्राओं ने विद्यालय हित में अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए और दिन भर विद्यालय की कार्य व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में विद्यालय की अन्य छात्राओं और शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मिशन शक्ति के तहत इस आयोजन ने छात्राओं को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया, जिसे सभी ने सराहा।

100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य पद संचलन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बहजोई नगर की विवेकानंद बस्ती में विजयदशमी के अवसर पर एक भव्य पद संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवेकानंद शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के विभिन्न हिस्सों से स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हीरा देवी तोताराम कन्या विद्यालय के प्रबंधक साहू अरविंद कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सेवा प्रमुख कुलदीप कुमार ने उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने संघ के 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और समाज सेवा में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। पद संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासित और एकसमान वेशभूषा में नगर के प्रमुख मार्गों पर कदमताल करते हुए राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का संदेश दिया। कार्यक्रम में राजेश शंकर, राजू, गणेश, अवनीश, मनीष, दीपक, अमन, मनोज बर्तन, यश कठेरिया, लक्ष्य कठेरिया, नवीन बाबा, शिवम टंडन, शिवम गोयल सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेशों के क्रम में जयप्रकाश सिंह, पर्यवेक्षक, प्रदीप कुमार, केस वर्कर एवं नरेन्द्र पाल ओ0एस0सी0 द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय, रामुपर घना, अमरोहा में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन एवं उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया गया कि चाइल्ड हेल्पलाइन एक राष्ट्रीय आपातकालीन फोन 1098 टोल फ्री सेवा है, जिसे संकटग्रस्त बच्चों की मदद और सुरक्षा के लिए 247 निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों को तत्काल सहायता, बचाव और पुनर्वास प्रदान करना है जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है तथा बच्चों को किन स्थितियों में चाइल्ड हेल्पलाइन को कॉल करना चाहिए जब उन्हें लगे कि वे खतरे में हैं या उन्हें कोई नुकसान पहुंचा रहा है।जब वे घर से भाग गए हों या खो गए हों। जब वे बाल श्रम या भीख मांगने के लिए मजबूर हों। जब उन्हें चिकित्सीय या भावनात्मक सहारे की तत्काल आवश्यकता हो। जब वे किसी अन्य बच्चे को संकट में देखें।

नवनियुक्त अध्यक्ष की नई सोच 62 वर्षों से हो रही रामलीला में शुरू की गई नई पहल

पहली बार रामलीला मंच पर साधारण परिवार की बेटी का किया गया कन्यादान

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- पिछले 62 वर्षो से चली आ रही धार्मिक परंपराओं को सजीव करती रामलीला में इस बार अनोखा दृश्य देखने के लिए मिला। शुक्रवार की रात रामलीला में कन्यादान की लीला का मंचन किया गया। जिसमें गांव के ही एक साधारण परिवार की बेटी का विवाह रामलीला मंच पर बड़े ही धार्मिक और मर्यादित ढंग से संपन्न हुआ। मंच पर राम और सीता की झांकी सजाई गई। इसी धार्मिक वातावरण में वर व वधू दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इसके बाद दोनों के माता-पिता ने अपने बच्चों को आशीर्वाद दिया। यह दृश्य देखते ही पूरा रामलीला मैदान भावुकता और खुशी से गूंज उठा। हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक इस कन्यादान के साक्षी बने। शादी की सभी रस्में पूरी मयार्दा और धार्मिक विधि विधान से सम्पन्न की गईं। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अंकुर त्यागी और प्रबंधक राजेश शर्मा मंच पर पहुंचे और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। दोनों ने वर-वधू के उज्जवल वैवाहिक जीवन की कामना की।

ज्ञात रहे कि ढवारसी में पिछले 62 वर्षों से रामलीला का मंचन धूमधाम से होता आ रहा है। लेकिन इस बार की रामलीला में एक अलग ही दृश्य देखने के लिए मिला जो अपने आप में इतिहास बन गया। पहली बार किसी बेटी का विवाह रामलीला के मंच पर कन्यादान की लीला के दिन कराया गया। जिसकी क्षेत्र में चारों तरफ चर्चा होने लगी। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अंकुर त्यागी ने इस अनोखी पहल की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। उन्होंने निर्णय लिया कि जब मंच पर कन्यादान की लीला होगी, तो उसी समय गांव की बेटी का कन्यादान कर समाज को एक नई दिशा दी जाए। उनके इस निर्णय को ग्रामवासियों और कमेटी के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिला। अंकुर त्यागी ने कहा कि ढवारसी की रामलीला धार्मिक आयोजन के साथ साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का भी एक सशक्त मंच है। उन्होंने इसे गांव के सभी लोगों की एकजुटता और बेटी के सम्मान की मिसाल बताया। जब वर व वधू मंच पर पहुंचे तो रामलीला मैदान में मौजूद दर्शक भावुक हो उठे। गांव के लोग बेटी के विवाह को अपने परिवार की खुशी मानकर उत्साह से झूम उठे। रामलीला मंच पर गूंजते भजनों ने पूरे माहौल को धार्मिक बना दिया। इस दौरान कलाकारों ने मंगलगीत गाए और फूल बरसाकर नवविवाहित जोड़े का स्वागत किया। इस योजन से समाज को एक बड़ा संदेश भी दिया गया कि सामूहिक सहयोग से किसी भी बेटी की शादी को सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह कदम उम्मीद की किरण साबित हुआ। कमेटी के सदस्य और ग्रामवासियों ने विवाह में अपने-अपने स्तर पर सहयोग देकर सफल बनाया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के संरक्षक निशापति शर्मा, नवीन चतुर्वेदी, अजय गोयल, प्रमोद त्यागी, राजीव गोयल, नरेश ठाकुर, अमित कुमार, प्रमोद सागर, गुड्डू सैनी, मोनू गोयल, हुकम सिंह, प्रदीप शर्मा, शशांक त्यागी, राजू त्यागी, जितेंद्र शुक्ला, अभिनव शर्मा, आलोक त्यागी, ब्रजेश शर्मा, अंकित सागर आदि मौजूद रहे।

खाटू श्याम कॉलोनी में कूड़े के ढेर से हाहाकार, स्थानीय लोगों ने किया प्रदर्शन

कॉलोनी वासियों ने एक महीने पहले जिलाधिकारी को सौंपा था संबंधित ज्ञापन

एम आर एफ सेंटर सरकारी योजना है जो काफी लागत से बना है जल्दी से नहीं हटाया जा सकता:- नीतू सिंह

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत खाटू श्याम कॉलोनी में नगर पालिका द्वारा डाले जा रहे कूड़े के ढेर के खिलाफ स्थानीय लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कूड़े को तत्काल हटाने की मांग की। कॉलोनीवासियों का कहना है कि कूड़े के ढेर से उठने वाली दुर्गंध से उनका जीवन जीना दुभर हो गया है। इससे न केवल उनके घरों से सुकून गायब हो गया बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है और बीमारियां फैल रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़ा-गला कचरा और गंदी पॉलिथीन हवा में उड़कर उनके घरों तक पहुंच रही है, जिससे कॉलोनी पर्यावरण दूषित हो रहा है। कूड़े से निकलने वाली जहरीली गैसें भी स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रही हैं। इस संबंध में कॉलोनीवासियों ने बहजोई नगर पालिका से शिकायत की, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि कूड़ा यहां से हटाया नहीं जा सकता। कॉलोनी निवासियों ने बताया कि एक महीने पूर्व जिलाधिकारी संभल को प्रार्थना पत्र सौंपकर एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) कूड़ा सेंटर को हटाने की मांग की थी उसके बाद भी कूड़ा सेंटर नहीं हटाया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे प्रदर्शन को और तेज करेंगे। इस मामले में स्थानीय प्रशासन से अभी कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि कूड़े के ढेर को हटाकर कॉलोनी को स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जाए। इस मुद्दे पर प्रशासन का अगला कदम क्या होगा, यह देखना बाकी है। प्रदर्शन करने वालों में लोकेंद्र सिंह मीना,दुर्गपाल, तेजपाल सिंह,विमला देवी,सुनीता मीना, रामवीर, सलीम अहमद, राजबाला, ब्रह्मपाल, राजेश,केशव भरद्वाज,ओमवीर,गीता देवी, जीशान, सैकड़ों की तादाद में मोहल्ले के लोग मौजूद रहे। जब पूरे मामले की जानकारी नगर पालिका कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह से की गई तो उन्होंने बताया कि

एम आर एफ सेंटर सरकारी योजना है जो काफी लागत से बना है इतनी जल्दी वहां से नहीं हटाया जा सकता। चेयरमैन साहब के साथ वार्ता हुई है अभी समय लगेगा। उसके बाद समस्या का समाधान हो जाएगा।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना बहजोई क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब आगरा-मुरादाबाद रोड के किनारे ईदगाह के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलते ही काफी मात्रा में भीड़ भाड़ जमा हो गई और बहजोई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को शनिवार दोपहर करीब तीन बजे सूचना मिली कि ईदगाह के पास एक अज्ञात शव पड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच में शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव की हालत देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह कई दिनों से वहां पड़ा हुआ था। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में छानबीन शुरू कर दी है और शव की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। थाना बहजोई प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोग शव की पहचान और मौत के कारणों को लेकर चर्चा कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कोई भी सुराग या जानकारी हो तो तुरंत थाने को सूचित करें।

शारदीय नवरात्रि के मौके पर स्कूली बच्चों ने खेला गरबा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र स्थित स्वामी विवेकानंद स्मारक स्कूल, गोलागंज, बहजोई में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर गरबा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा LKG से कक्षा 5 तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक गरबा खेला और उत्सव की धूम मचाई। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर हंसी-खुशी और उमंग से भरा रहा। बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे गरबा की थाप पर जमकर नृत्य किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। स्कूल की प्रधानाचार्य नैना गुप्ता ने बताया कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन समय-समय पर स्कूल में आयोजित किए जाते हैं, ताकि बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़े और वे उत्साह के साथ अपनी परंपराओं से जुड़ें। कार्यक्रम में स्कूल के स्टाफ सदस्य डोली गुप्ता, महक, हीर, कसक, खुशी, मीनल, सिमरन सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के उत्साह की सराहना की और इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों के लिए मनोरंजन का साधन बना, बल्कि नवरात्रि के पर्व की महत्ता को भी दशार्ता रहा।

खबर का असर,गायत्री कॉलोनी में शुरू हुआ नाला निर्माण कार्य

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नगर पालिका क्षेत्र बहजोई की गायत्री कॉलोनी के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से बंद नाले और कीचड़ की समस्या से जूझ रहे मोहल्ले वासियों की परेशानी अब खत्म होने की राह पर है। 'सब का सपना' दैनिक समाचार पत्र की टीम ने 23 सितंबर को मोहल्ले में नालों की सफाई चौपट, गंदगी से फैल रहा बीमारी का खतरा, संबंधित बेखबर हेडिंग के साथ समाचार को मुख्यता के साथ प्रकाशित किया था। जिसमें नाले की बदहाल स्थिति और इससे होने वाली परेशानियों को उजागर किया गया। इस खबर के माध्यम से नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया गया था। अब खबर पर असर देखने के लिए मिला जहां गायत्री कॉलोनी में बंद नाले की सफाई और निर्माण कार्य शुरू हो चुका है वहीं अब मोहल्ले के लोगों को इस समस्या से राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि हम पिछले काफी समय से इस समस्या से परेशान थे। बारिश के दिनों में तो हालत और खराब हो जाती थी। सब का सपना समाचार पत्र की टीम ने हमारी आवाज को उठाया और प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की। अब नाला बन रहा है, जिससे हमें बहुत राहत मिलेगी। एक अन्य निवासी, ने कहा, पहले कीचड़ और गंदगी के कारण बच्चों और बुजुर्गों को आने-जाने में बहुत दिक्कत होती थी। अब निर्माण शुरू होने से हमें उम्मीद है कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा।

ब्राह्मण महिला सभा के तत्वाधान में किया गया भजन संध्या का आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- ब्राह्मण महिला सभा चंदौसी के तत्वाधान में नवरात्रि पर्व के अवसर पर सभा की नगर अध्यक्ष उर्मिला शर्मा के निवास स्थान मयूर विहार में भजन संध्या का आयोजन किया गया। देवी मां की जोत प्रज्ज्वलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया गया। सभा महामंत्री रंजना शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में देवी मां के नवरात्र को धूमधाम से मनाया जाता हैं।ओर उत्तर भारत में तो सनातनी घर घर मां दुर्गा की चौकी लगाकर कलश स्थापना करते है साथ ही घर परिवार की सुख समृद्धि के लिए जौ बोते है फिर दशहरे पर जौ की बालों से पूजन किया जाता है। शारदीय नवरात्रि पर्व पर ब्राह्मण महिला सभा सदस्यों ने" प्यारा सजा है तेरा दरबार भवानी, मेरी झोली भर दी है तूने इतना दिया मेरी माता आदि देवी मां भजनों के साथ साथ दुर्गा चालीसा नमो नमो दुर्गे सुख करनी,नमो नमो दुर्गे दुख हरनी,निराकार है ज्योति तुम्हारी ओर हनुमान चालीसा पाठ भी किया। उपस्थित सभी माताओं का रोली चंदन से टीका लगा कर ओर पटका पहनाकर स्वागत किया गया। सभा भक्त जनों में सभा सचिव रानी शर्मा, कोषाध्यक्ष मीरा दुबे, शुभ्रा शर्मा, विमलेश शर्मा, इंद्रेश शर्मा, शालिनी शर्मा, स्वर्णलता दीक्षित, सुधा शर्मा, शिप्रा शर्मा, साधना पाठक, आशा गोस्वामी, सपना शर्मा , रेखा शर्मा, सीमा शर्मा, आभा शर्मा, नीरा भारद्वाज मधु मिश्रा आदि सदस्यों की उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्मिला शर्मा ने ओर संचालन रानी शर्मा ने किया।

आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने मांगी पांच दिन की कस्टडी, 17 लड़कियों का शोषण करने का है आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आश्रम में भोली-भाली गदै काम करने वाले आरोपी चैतन्यानंद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। अपने मोबाइल में लड़कियों को सीसीटीवी से निहारते रहने वाले चैतन्यानंद को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में किया पेश कर पांच दिन की कस्टडी की मांग की है। आश्रम की आड़ में अश्लील काम करने वाले चैतन्यानंद पर कुल 17 लड़कियों ने पुलिस में अलग-अलग शिकायत दी है।दिल्ली पुलिस की एडिशनल डीसीपी साउथ वेस्ट ऐश्वर्या सिंह ने बताया कि आरोपी चैतन्यानंद यूएन डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट का इस्तेमाल करता था। यह भी आरोप है कि वह लड़कियों को अपनी बातों में फंसाने के लिए हॉस्टल के वॉर्डन की भी मदद लेता था। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। नकली विजिटिंग कार्ड से दिखाता था रौब दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पुलिस ने चैतन्यानंद सरस्वती से तीन फोन, एक आईपैड और नकली विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। उनमें वह खुद को बीआरआईसीएस और संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा एक सरकारी अधिकारी दिखा रहा था। आखिरी लोकेशन मिली थी आगरा की पत्रकारों से बात करते हुए अमित गोयल ने कहा, "हमने एक टीम बनाई थी और पिछले तीन दिनों से हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तलाशी अभियान चला रहे थे, ताकि पार्थ सार्थी उर्फ चैतन्यानंद सरस्वती को पकड़ा जा सके। हमें कल रात सफलता मिली जब हम उसे आगरा में पकड़ने में कामयाब रहे। उसकी पहचान की गई, उसे गिरफ्तार किया गया और दिल्ली लाया गया। आगे की जांच की जाएगी।" हर दिन बदल रहा था लोकेशन उन्होंने आगे कहा, "हमने तीन फोन और एक आईपैड बरामद किया है, जिनकी जांच की जाएगी। नकली विजिटिंग कार्ड भी बरामद हुए हैं, जो उसे भारत सरकार का अधिकारी दिखाते हैं, जो बीआरआईसीएस और संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा है। वह हर दिन अपनी लोकेशन बदल रहा था ताकि गिरफ्तारी से बचा जा सके। वह मुख्य रूप से मथुरा, वृंदावन और आगरा में रह रहा था।" शिक्षा देने की आड़ में यौन उत्पीड़न का आरोप चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी पर श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट में महिला छात्राओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह संस्थान श्री शारदा पीठम, श्रींगेरी से संबद्ध है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) छात्रवृत्ति के तहत पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) कोर्स प्रदान करता है। बीते शनिवार रात आगरा के एक होटल से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में संस्थान के एक प्रशासक से चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति योजना के तहत पीजीडीएम कोर्स कर रही महिला छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया है।

शहीदे आजम भगत सिंह की 118वी जयन्ती मनाई गई

शामली (सब का सपना)- रविवार को जनपद शामली के खंड विकास कांधला क्षेत्र के ग्राम ताहिरपुर भभीसा मे शहीद भगत सिंह चौक पर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगत सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम मे आये ग्रामीणो ने भगत सिंह के अद्वितीय साहस, देशभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि व युवा समाजसेवी अनुज जावला ने कहा कि भगत सिंह केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि वे विचारों की मशाल थे, जिन्होंने युवाओं को अन्याय और गुलामी के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को भगत सिंह के विचारों, बलिदान और क्रांतिकारी सोच से प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का संचालन योगेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर विशु जावला, पंकज, विसाल, अभिनव, साहिल, रजत, धर्मेन्द्र, बादल , निखिल, मोहित, अमित, विनोद, रमेशचंद, सलीम आदि मौजूद रहे।

किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने कराई चित्रकला प्रतियोगिता

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हनुमान गढ़ी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्यातिथि स्कूल व्यवस्थापक सुनील कुमार,केंद्र व्यवस्थापक डॉ टीएस पाल,दिनेश चीनी,हरनाम सिंह ने सयुक्त रूप से फीता काटकर किया। सोसाइटी अध्यक्ष डॉ नीलम वार्ष्णेय ने बताया कि प्रतियोगिता दो वर्गों में कराई गई जिसमें जूनियर वर्ग में कक्षा 3 से 5 तक के बच्चों ने कार्टून एवम जल बचाओ की आकृति बनाई तथा सीनियर वर्ग में कक्षा 5 से 8 तक के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण एवम जंगल मे नाचता मोर का सुंदर चित्रण किया। दर्जन भर विद्यालयों के 500 में 486 बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। 14 प्रतिभागी अनुपस्थित रहे।प्रतियोगिता के परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक के रूप में डॉ टीएस पाल ने परीक्षा का सफल आयोजन कराया। इस दौरान सचिव रूबी वार्ष्णेय, एंड सौरभ वार्ष्णेय, हरीश कठेरिया, इंदु अग्रवाल, आशा गोस्वामी, जयशंकर दुबे, भक्ति, पलक, मयंक वार्ष्णेय, दुर्गेश दिवाकर, लवित वार्ष्णेय, हिमांशु काका, आकाश वार्ष्णेय, कुलदीप, मोनिका वार्ष्णेय, दिव्या, आकाश वार्ष्णेय, गुंजन वार्ष्णेय, प्रतिभा, मीना, पलक वार्ष्णेय, भक्ति, पिंकी वार्ष्णेय, मीना, निधि अग्रवाल, राधिका आदि का सहयोग रहा।

पत्नी की प्रताड़ना से तंग बैंक कर्मचारी ने की आत्महत्या

पिता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की लगाई गुहार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पत्नी और उसके रिश्तेदारों की कथित प्रताड़ना से तंग आकर एक बैंक कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसमें पत्नी सोनम वार्ष्णेय समेत कई लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक अंशुल वार्ष्णेय(35)लखनऊ में कोटक महिंद्रा बैंक में कार्यरत थे। उनके पिता अनिल कुमार वार्ष्णेय ने थाने में दी गई शिकायत में बताया कि अंशुल की शादी करीब 12 साल पहले सोनम वार्ष्णेय (पुत्री रामौतार, निवासी टंकी मोहल्ला, बहजोई) से हुई थी। शादी के बाद से ही सोनम के कथित अवैध संबंधों के कारण घरेलू कलह चल रहा था। अनिल कुमार के अनुसार, अंशुल ने कई बार सोनम और उसके परिवार को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे लोग उल्टा अंशुल को अपमानित करते थे। शिकायत में कहा गया है कि सोनम और उसके रिश्तेदार लखनऊ में अंशुल के भाई जयदीप वार्ष्णेय के नाम पर दर्ज मकान को सोनम के नाम करने और 2 करोड़ रुपये की मांग कर रहे थे। इनकार करने पर सोनम ने अंशुल के खिलाफ लखनऊ की अदालतों में तीन फर्जी मुकदमे दायर कर दिए। अंशुल ने खुद तलाक का केस दाखिल किया था, लेकिन सोनम और उसके परिवार वाले लगातार उन्हें धमकाते थे कि तुझे नौकरी नहीं करने देंगे, 10 साल तक मुकदमा लड़ाएंगे। शिकायत के मुताबिक, करीब दो साल पहले लखनऊ में सोनम और उसके रिश्तेदारों ने अंशुल के साथ मारपीट की और उन्हें घर से निकाल दिया। उसके बाद अंशुल किराए के मकान में रहने लगे, जबकि सोनम जयदीप के मकान में रहती रही। 26 सितंबर 2025 को सोनम ने अंशुल से अभद्र व्यवहार किया और जब अंशुल ने कहा कि अब उनके पास आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा, तो सोनम ने कथित तौर पर कहा, तू काफी दिनों से आत्महत्या की बात कर रहा है, कर क्यों नहीं लेता?" अगले दिन 27 सितंबर को अंशुल सुबह 5 बजे ट्रेन से चंदौसी पहुंचे और बहजोई घर जाते समय रास्ते में प्रदीप कुमार (पुत्र रमेश चंद्र, निवासी सराय इस्लामनगर, बदायूं), संजीव कुमार (पुत्र प्रेमपाल), लोकेश (पुत्र संजीव कुमार), संजीव कुमार (पुत्र स्व. रामनिवास, निवासी मेन बाजार, सब्जी मंडी, इस्लामनगर), पंकज कुमार वार्ष्णेय (पुत्र साहू जयपाल सरन, निवासी सरायतरीन, संभल), ममता रानी (पत्नी स्व. रामौतार) और विष्णु वार्ष्णेय (पुत्र स्व. रामौतार, निवासी टंकी मोहल्ला, बहजोई) ने उन्हें रोका। इन लोगों ने अंशुल को अपमानित करते हुए कहा कि तू बहुत बेशर्म है, सोनम से आत्महत्या की बात कह रहा था लेकिन अभी तक नहीं की। घर पहुंचकर अंशुल ने पिता को घटना बताई। अनिल कुमार मंदिर चले गए, और जब सुबह 10 बजे लौटे तो अंशुल को दुपट्टे से पंखे पर लटका पाया। पड़ोसियों की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

हरियाणा में पानी– सीवर कनेक्शन की नई पॉलिसी लागू, लोगों के सामने होंगे 2 ऑप्शन

हरियाणाः हरियाणा सरकार ने पानी और सीवर कनेक्शन के लिए नई नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को कनेक्शन लेने और उन्हें नियमित करने में सुविधा देना है। इस नीति के तहत, उपभोक्ताओं के पास दो विकल्प हैंः विकल्प 1ः अग्रिम भुगतान पानी कनेक्शन के लिए 1,000 रुपये सीवर कनेक्शन के लिए 500 रुपये कुल एडवांस राशिः 1,500 रुपये विकल्प 2ः मासिक भुगतान 15 साल तक पानी और सीवर कनेक्शन शुल्क के बदले हर महीने 10 रुपये अतिरिक्त देना होगा। अगर विभाग द्वारा जल मीटर उपलब्ध कराया जाता है, तो उपभोक्ता को छह सालों तक 25 रुपये प्रति माह देना होगा। इस नीति के तहत, जिन उपभोक्ताओं के घर में पहले से ही पानी का मीटर लगा हुआ है, उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा, सरकार ने पांच साल के लिए रोड कट शुल्क माफ करने का फैसला किया है, जिससे नागरिकों को राहत मिलेगी। नई पॉलिसी के लाभ नागरिकों को कनेक्शन लेने और उन्हें नियमित करने में सुविधा अवैध कनेक्शनों पर अंकुश लगेगा सरकार को नियमित राजस्व मिलेगा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी और सीवर व्यवस्था मजबूत होगी

लाडो लक्ष्मी योजना की लाभार्थी महिलाएं हो जाए सावधान, फेक लिंक पर न करें क्लिक...सरकार ने जारी की चेतावनी

चंडीगढ़ः हरियाणा में साइबर अपराधियों के निशाने पर अब गरीब युवतियां और महिलाएं भी आ गई हैं। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की लाभार्थी महिलाओं को फर्जी लिंक और फार्म भेजकर ठगने का 'खेल" शुरू हो गया है। प्रदेश सरकार ने योजना की लाभार्थियों को सचेत करते हुए सलाह जारी की है कि अपने मोबाइल पर अधिकृत ऐप से ही आवेदन करें।सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। इसके मुताबिक विभाग के संज्ञान में आया है कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना से संबंधित कई फर्जी लिंक और फार्म प्रसारित किए जा रहे हैं। ऐसे सभी लिंक और फार्म धोखाधड़ी हैं। कृपया इन पर विश्वास न करें और न ही इनका उपयोग करें। इस योजना के लिए आवेदन केवल आधिकारिक मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। सही डाउनलोड लिंक सेवा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।

किसी अनजान लिंक को न करें ओपन

साइबर ठगी से बचने के लिए जरूरी है कि किसी अनजान लिंक को ओपन न करें। किसी भी अनजान खाते में पैसा जमा न करें। संदिग्ध काल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और यदि कोई व्यक्ति छोटे कारोबार का हवाला देकर बड़े लेन-देन करता दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत बैंक या पुलिस को दें। अगर ठगी हो भी जाए तो तुरंत नेशनल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल कर शिकायत दर्ज कराएं। पोर्टल https://cybercrime.gov.in/ पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। फ्राड होने के बाद जितनी जल्दी शिकायत दर्ज कराएंगे, पैसे वापस मिलने के चांस उतने ही बढ़ जाते हैं।सावधानी बरतने के उपाय फर्जी लिंक से बचेंः अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही कोई व्यक्तिगत जानकारी साझा करें। आधिकारिक ऐप का उपयोग करेंः योजना के लिए आवेदन केवल आधिकारिक मोबाइल ऐप्लीकेशन के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। शिकायत दर्ज करेंः अगर कोई फ्रॉड होता है तो तुरंत साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। आप नेशनल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी संपर्क कर सकते हैं। टोल-फ्री नंबरः योजना से जुड़ी जानकारी के लिए आप 01724880500 और 18001802231 टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

योजना की जानकारी

लाभार्थीः 23 से 60 साल की महिलाएं जिनकी परिवारिक आय सालाना 1 लाख रुपये से कम है।

एक माह से अधिक की सजा पर पुलिसकर्मी होंगे बर्खास्त, हाईकोर्ट का ये आदेश

चंडीगढ़ : पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि किसी पुलिसकर्मी को एक महीने से ज्यादा की सख्त कैद की सजा सुनाई जाती है, तो उसकी सेवा से बर्खास्तगी अनिवार्य होगी। न्यायमूर्ति जगमोहन बंसल ने कहा कि ऐसे मामलों में अनुशासनात्मक प्राधिकरण के पास कोई विवेकाधिकार नहीं बचता और बर्खास्तगी के अलावा अन्य कोई दंड नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि एक माह से अधिक की कैद यह संकेत देती है कि अधिकारी गंभीर अपराध में दोषी पाया गया है। भारत में दोष सिद्धि का प्रतिशत पहले ही बहुत कम है, ऐसे में किसी पुलिस अधिकारी का दोष सिद्ध होना और लंबी सजा मिलना गंभीर अपराध की पुष्टि है। जस्टिस बंसल ने पंजाब पुलिस नियमावली (जो हरियाणा में भी लागू है) के नियम 16.32 और 1996 के संशोधन का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार अपील या पुनरीक्षण आदेशों की समीक्षा नहीं कर सकती। समीक्षा का उद्देश्य केवल अधीनस्थ अधिकारियों जैसे रढ, DIG या IG स्तर की त्रुटियों को दुरुस्त करना है, न कि पहले से दिए गए अपील और पुनरीक्षण आदेशों को बदलना।

नागरिक अस्पताल में बदमाशों ने 3 कर्मचारियों को डंडे से पीटा, रंजिश के चलते हुआ मामला

अंबाला :अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल में शनिवार को रंजिश के चलते एक्स-रे रूम के बाहर 3 रेडियोग्राफर पर 5-6 युवकों ने डंडों से हमला कर दिया। अस्पताल के एक सुरक्षा गार्ड सहित छह बदमाशों ने रेडियोग्राफरों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मरीजों और तीमारदारों की भीड़ जमा होते देख हमलावर अस्पताल के बीचों-बीच से फरार हो गए। इस मारपीट में रेडियोग्राफर मोहित, शज्जाद और अमित घायल हो गए। घायलों का इमरजेंसी में उपचार के लिए ले जाना पड़ा।

मोहित को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह एक्स-रे रूम में ही बेहोश हो गया था। अमित की बाजू पर चोट के निशान हैं, जबकि शज्जाद की टांगों और सिर पर भी चोटें आई हैं। घटना सुबह की है, जब अस्पताल के एक सुरक्षा गार्ड और तीनों रेडियोग्राफर के बीच झगड़ा हुआ था। आधे घंटे बाद सुरक्षा गार्ड और उसके साथियों ने तीनों पर हमला कर दिया। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी शिकायतें पुलिस को दी हैं। इस वजह से करीब तीन घंटे तक अस्पताल में एक्स-रे सेवाएं बाधित रहीं।

पीएमओ ने कराया था आपसी विवाद का समाधान

एक्स-रे रूम में चार रेडियोग्राफर अतुल, मोहित, शज्जाद और अमित ड्यूटी पर थे। इसी दौरान अस्पताल का एक सुरक्षा गार्ड अमित, अपने मरीज का एक्स-रे करवाने आया था। इस दौरान आपसी बहस हुई, जो मारपीट में बदल गई। अमित ने पहले तीनों रेडियोग्राफरों पर हमला करने का आरोप लगाया था। दोनों पक्षों की शिकायतें पीएमओ के पास पहुंची थीं। पीएमओ डॉ. पूजा ने दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता करवाया था। लेकिन 15 मिनट बाद ही सुरक्षा गार्ड और उसके साथियों ने रेडियोग्राफरों पर हमला कर दिया।

अंबाला जेल के 2 वार्डन सस्पेंड, बिजली खंभे के जरिये बंदी हुआ था फरार

अंबाला : अंबाला सेंट्रल जेल से शनिवार दोपहर एक बंदी दिनदहाड़े फरार हो गया। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और लापरवाही बरतने पर हेड वार्डन दिलीप व वार्डन गौरव को निलंबित कर दिया गया है। मामले की आगे जांच की जा रही है।फरार हुए बंदी की पहचान बिहार के जिला किशनगंज निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। वह पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में बंद था। यह घटना पिछले 45 दिनों में दूसरी बार हुई है जब अंबाला सेंट्रल जेल से कोई आरोपी भागने में सफल हुआ। इससे पहले अगस्त में भी एक कैदी इस जेल से फरार हो चुका है। जानकारी के अनुसार शनिवार करीब 3 बजे जेल परिसर में चल रहे कारखाने को बंद करने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान गिनती में पता चला कि अजय गायब है। सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि उसने पहले कारखाने की छोटी दीवार फांदी, फिर 18 फुट ऊंचे बिजली के खंभे पर चढ़ा और तारों के सहारे मुख्य दीवार लांघकर बाहर निकल गया।पावर कट की वजह हुआ भागने में कामयाब जेल प्रशासन ने तुरंत सभी गेट बंद कर तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन बंदी हाथ नहीं आया। जेल पर लगातार हो रही बिजली कटौती का फायदा उठाकर कैदी अजय फरार हो गया। अधिकारियों ने माना कि यह सुरक्षा में गंभीर चूक है और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा की तहसीलों में होंगे 4 बड़े बदलाव, सीएम सैनी कल करेंगे शुरूआत

कुरुक्षेत्र : प्रदेश की तहसीलों में नागरिकों को सुविधाओं देने के लिए चार बड़े बदलावों की शुरूआत सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के करकमलों से बाबैन तहसील से होगी। उपायुक्त विश्राम मीणा ने आज दलबल सहित अंतिम तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत कहा कि पेपरलैस रजिस्ट्री, निशानदेही के लिए सीमाकंन पोर्टल, शिकायत के लिए व्हाटसएप चैटबॉट, हाईकोर्ट व जिला कोर्ट की तर्ज पर राजस्व न्यायालय मामला प्रबंध प्रणाली परियोजना मुख्यमंत्री के करकमलों से प्रदेश की जनता को समर्पित की जाएगी उपायुक्त कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नागरिकों को तहसीलों में सुविधाएं मुहैया करवाने को लेकर काफी गंभीर हैं। उसी विजन को पूरा करने के लिए इन परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कागज रहित पंजीकरण प्रक्रिया के लागू होने के बाद नागरिकों को पंजीकरण के लिए कागजात उठाकर घूमने की जरूरत नहीं रहेगी। भूमि की निशानदेही के लिए सरकारी मशीन रोवट का प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा 29 सितंबर को सीमाकंन पोर्टल लॉच किया जाएगा, तहसील के संबंध में कोई शिकायत या परेशानी होगी तो वे ऑनलाइन शिकायत कर सकते है जबकि राजस्व न्यायालय मामला प्रबंधन प्रणाली का भी शुभारंभ किया जाएगा।

स्कूल संचालकों को अब देना होगा इस चीज का बिल, वरना होगी सख्त कार्रवाई

भिवानी : शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि वे विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा पॉलिसी के तहत बच्चों के परिवहन संबंधी बिल हर माह 15 तारीख तक अनिवार्य रूप से टक्र पोर्टल पर अपलोड करें। तय तिथि पर बिल अपलोड न करने वाले स्कूल मुखियाओं पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके संबंध में शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को लिखित सूचना भेज दी है। विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा पॉलिसी के अंतर्गत उन बच्चों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिनका घर स्कूल से 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है। इस योजना के तहत परिवहन के खर्च का बिल स्कूल स्तर से तैयार कर मुख्यालय को भेजा जाता है। कई बार स्कूल प्रमुखों द्वारा बिल देर से भेजने की समस्या सामने आती रही है। इसको ध्यान में रखते हुए विभाग ने हर माह की 15 तारीख को अंतिम तिथि तय की है। उप जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सभी प्राचार्यों के लिए यह नियम बाध्यकारी है और निर्धारित समयसीमा का पालन करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई तय है। विभाग का मानना है कि समय पर बिल अपलोड होने से विद्यार्थियों को परिवहन सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जा सकेगी और किसी भी स्तर पर बाधा नहीं आएगी।

तेज संगीत बजाने पर झगड़ा, पड़ोसियों ने युवक को डंडों से पीटा, अस्पताल में मौत

भिवानी भिवानी के गांव कितलाना में शनिवार रात को नवरात्रों में बज रहे साउंड सिस्टम की आवाज कम करने के लिए कहने झगड़ा हो गया। झगड़े में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव कितलाना निवासी 38 वर्षीय सन्नी शनिवार शाम करीब 7 बजे मजदूरी कर घर लौटा था। उस समय घर के बाहर पड़ोस में ही कुछ लोग तेज आवाज में गाना बाज रहे थे। इस पर सन्नी ने पड़ोसियों से आवाज कम करने कहा। इससे मौके पर लोग भड़क गए और उसके साथ गाली-गलौच करने लग गए।

बहस के बाद सन्नी घर के अंदर चला गया। इसके बाद कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर सन्नी के घर में घुस गए और उसे बुरी तरह से पीटने लगे। पड़ोसियों ने सन्नी के सिर और पैरों पर काफी वार किए, जिससे उसके सिर पर काफी खून बह गया। घायल अवस्था में सन्नी को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले को लेकर सदर थाना जांच अधिकारी वीरेंद्र ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक घायल युवक को अस्पताल ले जाया जा चुका था, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मृतक के भाई सूरज की शिकायत पर मामला दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

इस वजह से हरियाणा HTET Result में हो रही देरी, HBSE चेयरमैन ने बताई ये वजह

हरियाणा: हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (HTET) के परिणाम घोषित होने में देरी हो रही है। बोर्ड प्रशासन ने एक माह के भीतर रिजल्ट जारी करने का दावा किया था, लेकिन अब तक करीब 2 माह बीत जाने के बावजूद परिणाम जारी नहीं हो सके हैं। अधिकारियों के अनुसार, परिणाम जारी होने में अभी एक सप्ताह से 10 दिन और लग सकते हैं। हरियाणा में HTET परीक्षा 30 और 31 जुलाई को आयोजित की गई थी। पीजीटी (लेवल-3) के लिए कुल 1,20,943 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 1,00,559 ने परीक्षा दी। टीजीटी (लेवल-2) के लिए 21,517 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जबकि परीक्षा में 1,67,000 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं, पीआरटी (लेवल-1) के लिए 82,917 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 66,000 ने परीक्षा दी। HBSE चेयरमैन ने दिए देरी के मुख्य कारणहरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन ने इस देरी के दो मुख्य कारण बताए हैं। पहला कारण बायोमैट्रिक वैरिफिकेशन की प्रक्रिया है, जो समय लेने वाली है, और दूसरा सचिव के ट्रांसफर के कारण प्रशासनिक बाधाएं। इसके बावजूद, अधिकारी दावा कर रहे हैं कि परिणाम अक्टूबर के पहले सप्ताह तक घोषित कर दिए जाएंगे।

18 फीट ऊंचे खंभे पर चढ़कर बिजली की तार से दीवार फांदकर भागा हवालाती, सीसीटीवी देख उड़े सबके होश

अंबालाः सेंट्रल जेल की सुरक्षा में एक बार फिर हवालाती ने सेंध लगा दी है। इस बार पॉक्सो एक्ट के मामले में बिहार के किशनगढ़ थाना तेरहागच्छ खजूरी बाड़ी निवासी अजय कुमार शर्मा जेल की दीवारों को फांदकर फरार हो गया। बंदी रोजाना कार्य करने के लिए जेल के कारखाने में जाता था। शनिवार को भी वह कारखाने में गया हुआ था। सुबह से जेल में बार-बार बिजली गुल हो रही थी। शातिर आरोपी अजय ने इसी का फायदा उठाया। पहले कारखाने की छोटी दीवार लाघंकर 18 फीट वाले बिजली के खंभे पर चढ़ गया। फिर बिजली गुल होने के कारण तार को भी पकड़कर जेल की बड़ी दीवार फांदकर फरार हो गया। बलदेव नगर थाना पुलिस ने केंद्रीय कारागार के उप अधीक्षक डॉ. राजीव की शिकायत पर बंदी के खिलाफ प्रिंजन एक्ट 1894 व बीएनएस की धारा 262 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सेंट्रल जेल में रोजाना की तरह दोपहर 3 बजे जेल के कारखाना को बंद करते समय हवालातियों की गिनती हो रही थी। इस दौरान अजय गायब मिला। काफी तलाश करने के बाद जेल के सीसीटीवी खंगाले तो जेल प्रशासन भी दंग रह गया। शातिर चोर चंद मिनटों में ही गुल हुई बिजली का फायदा उठाकर बिजली के खंभे के जरिये तार पकड़कर दीवार फांदकर फरार हो गया। आरोपी अजय कुमार शर्मा पर 17 मार्च 2024 को पंचकूला के थाना मनसा देवी कॉम्पलेक्स में पॉस्को एक्ट का मामला दर्ज था।

बहादुरगढ़ की दुकान में बड़ा हादसा, छत पर सो रहे दुकान मालिक ने ऐसे बचाई जान

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ के मेन बाजार स्थित एक दुकान में बीती देर रात भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी दुकान और ऊपर मकान में मौजूद सामान जलकर राख हो गया। इस दौरान तेज धमाका भी हुआ, जिससे आसपास के लोग सहम गए। सिलेंडर फटने की चर्चा है। आग के बीच फंसे दुकान मालिक को भी छत से कूदाकर बचाया गया। घटना रात करीब ढाई बजे की है। दरअसल रत्न गोपाल और उसका भाई हरीश मेन बाजार में पुरानी सब्जी मंडी के नजदीक मोडर्न जनरल स्टोर नाम से दुकान को चलाते हैं। हरीश दयानंद नगर में रहते हैं जबकि रत्न गोपाल दुकान के ऊपर अकेले ही रहते हैं। रात को आग लगने के बाद धुआं फैलने पर ऊपरी तल पर सो रहे रत्न गोपाल की आंख खुली, लेकिन नीचे निकलना मुश्किल हो गया और वह फंस गए। उन्होंने छोटे भाई हरीश को फोन पर सूचना दी। आनन फानन में हरीश व अन्य लोग मौके पर पहुंचे और शटर खोलने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। बाद में रत्न गोपाल को छत से कूदाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया।सूचना पाकर दमकल विभाग की चार गाडियां मौके पर पहुंचीं। इससे पहले भवन में रखा सिलेंडर भी फट गया। धमाके से आसपास का इलाका दहशत में आ गया। संकरी गलियों और लटकते बिजली तारों की वजह से दमकल गाडियों को मौके तक पहुंचने में भारी दिक्कत आई। दमकल विभाग की चारों गाडियां पूरी रात आग बुझाने में जुटी रहीं। पानी लाने के लिए दर्जनभर से अधिक चक्कर लगाए। सुबह करीब सात बजे आग पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन धुआं फिर भी उठता ही रहा। आग से दुकान और उसमें रखा सामान पूरी तरह जल गया। भवन को भी नुकसान पहुंचा है। दमकल विभाग ने शोर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। हालांकि, असल कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे।

भ्रष्टाचार मामलों में ये विभाग नंबर वन..,एसीबी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

हरियाणा : राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (अउइ) ने वर्ष 2025 के आठ महीनों में कुल 105 केस दर्ज किए हैं, जिनमें 141 लोग रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तारियों में 112 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी और 29 निजी व्यक्ति शामिल हैं। इनमें प्रथम श्रेणी से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक के सभी स्तर के सरकारी कर्मचारी हैं। सरकारी विभागों में सबसे अधिक भ्रष्टाचार के मामले पुलिस विभाग के हैं, जहां 33 कर्मचारी रिश्वत लेते हुए पकड़े गए। इसके बाद राजस्व विभाग में 17, स्वास्थ्य विभाग में 7, शहरी स्थानीय निकाय व खाद्य एवं उपभोक्ता मामले विभाग में 4-4, बिजली विभाग में 4, और आबकारी, कराधान व परिवहन विभाग में 3-3 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कई अन्य विभागों जैसे हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पंचायती राज, श्रम, शिक्षा, वन, खाद्य निगम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सिंचाई और न्यायिक विभागों में भी रिश्वतखोरी के मामले सामने आए हैं। स्थायी और अनुबंधित कर्मचारी दोनों शामिलपकड़े गए 112 सरकारी कर्मचारियों में से 104 नियमित सरकारी कर्मचारी और 8 अनुबंधित या ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी हैं, जो दशार्ता है कि भ्रष्टाचार हर स्तर पर फैला हुआ है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 8 महीनों में रिश्वतखोरी के 24 मामले अधिक दर्ज हुए हैं। 2024 के पहले आठ महीनों में 81 ट्रैप केस हुए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 105 हो गई है, जो भ्रष्टाचार की बढ़ती प्रवृत्ति को दशार्ता है। पकड़े गए 141 आरोपियों से कुल 85 लाख 33 हजार 900 रुपये की रिश्वत बरामद की गई है। एसीबी प्रमुख आलोक मित्तल ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर सख्ती से काम कर रही है और गिरफ्तारी एवं कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

हरियाणा सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए कसी कमर, पराली जलाने पर सख्त कार्रवाई, टीमें गठित

हरियाणा: हरियाणा सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार पराली जलाने वालों पर कड़ी नजर रखने के लिए अकेले फरीदाबाद जिले में 149 टीमें नियुक्त की जाएंगी। इसके अलावा पूरे मंडल में कुल 592 टीमें सक्रिय रहेंगी, जो लगभग 3,000 किसानों पर पैनी निगरानी रखेंगी। यदि कोई किसान पराली जलाता पाया गया, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार पूरे राज्य में भी ऐसी टीमें पराली जलाने वालों पर नजर बनाए रखेंगी।

इन टीमों का एक और महत्वपूर्ण कार्य फसलों की कटाई एवं बची हुई पराली के अवशेषों की रिपोर्ट तैयार करना होगा। यह रिपोर्ट जिला उपायुक्त के माध्यम से उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा डिप्यूटेशन अधिकारियों की नियुक्ति कर इन टीमों का गठन सुनिश्चित किया जाएगा। बता दें कि ग्रैप के विभिन्न चरणों के अनुसार इन टीमों की संख्या में वृद्धि भी की जा सकती है।

कंस्ट्रक्शन साइटों पर भी कड़ी निगरानी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों से भी प्रदूषण में भारी वृद्धि होती है। अब केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मान्यता प्राप्त निर्माण साइटें ही संचालित हो सकेंगी। किसी भी साइट के मालिक को संचालन के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी लेना अनिवार्य होगा। पहले से संचालित साइटों को भी प्रदूषण नियंत्रण के मानकों को पूरा करना होगा। एनओसी जारी करने में एफएमडीए, क्षेत्रीय कार्यालय नगर निगम, और एचएसवीपी जैसे विभागों की मदद ली जा रही है, ताकि ग्रैप के लागू होने से पहले सभी प्रदूषण नियंत्रण मानकों को पूरा किया जा सके।पराली जलाने पर सख्त जुमार्ना और प्रतिबंध

पलवल के डिप्टी कमिश्नर डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ के अनुसार, पराली जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लंघन करने वालों पर 5,000 से लेकर 30,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा और एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही, आने वाले दो वर्षों तक ऐसे किसान अपनी फसल को एमएसपी पर बेचने के पात्र नहीं होंगे। हेल्पलाइन नंबर जारी

सरकार किसानों को पराली जलाने की बजाय इसे आय का स्रोत बनाने के विकल्प भी उपलब्ध कराएगी। आम आदमी भी पराली जलाए जाने की सूचना कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को दे सकते हैं। इसके लिए 01275-254060 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने यूथ क्रिकेट में फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 3-0 की क्लीन स्वीप दिलाई। हालांकि तीसरे मैच में वह केवल 16 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इससे पहले के मैचों में उनके प्रदर्शन ने उन्हें रिकॉर्ड की किताबों में दर्ज करा दिया। वैभव ने कुल 556 रन बनाए हैं और इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनकी नजरें पाकिस्तान के हसन रजा के 727 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी हैं। यूथ वनडे में 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सूर्यवंशी का नाम अब शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शुमार हो गया है।

सूर्यवंशी ने हाल ही में यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के उनमुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। वैभव ने अब 43 छक्कों के साथ इस सूची में पहले पायदान पर कब्जा जमा लिया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय अंडर-19 टीम के लिए गर्व का क्षण है और युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही है। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 11 पारियों में 556 रन बनाए हैं, उनकी औसत 50.54 और स्ट्राइक रेट 151.91 रहा है। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका करियर यूथ क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हो सकता है। उनके तकनीकी कौशल, आक्रामक खेल और दबाव में शांत रहना उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

अंडर-19 टीम के कोच और विशेषज्ञों का कहना है कि वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह खेल के सभी पहलुओं में टीम के लिए अहम योगदान दे रहे हैं। उनका यह लगातार उत्कृष्ट खेल भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी संकेत है। अब सभी की निगाहें 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे हसन रजा ने 727 रन बनाकर अपने नाम किया था। अगर वैभव अपनी फॉर्म को ऐसे ही जारी रखते हैं, तो बहुत जल्द यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो सकता है। यूथ क्रिकेट में सूर्यवंशी की चमक से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नई उम्मीदें जाग रही हैं।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप : आईईडी धमाके में पैर गंवाया, अब पैरा तीरंदाजी चैंपियन बने तोमन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक द्धश्वष्ठ विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

CRPF (केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता।

तोमन CRPF की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2022 में CRPF और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट में घायल हो गए।

CRPF के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा। उन्होंने कहा, 'तोमन कुमार 2017 में CRPF में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।'

अधिकारी ने आगे बताया कि वह CRPF के एक विशेष सेंटर NCDE (राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र) में शामिल हो गए जिसे 2020 में शारीरिक रूप से अक्षमता का सामना करने वाले जवानों के लिए खोला गया था। उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। तोमन ने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा, ग्वांगजू सहित चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है।

हर्षवर्धन ने रच दिया इतिहास, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष चुने गए

पटना (एजेंसी)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने रविवार को अपने 2025 के पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजों की घोषणा की, जिससे हर्षवर्धन का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया। केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने सबसे युवा BCA अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया, जिससे BCA के नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव आया और बिहार के शीर्ष क्रिकेट संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रिया कुमारी उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगी, जबकि जियाउल आरेफिन सचिव होंगे। अभिषेक नंदन को कोषाध्यक्ष और रोहित कुमार संयुक्त सचिव के रूप में कार्य करेंगे। रविवार को घोषित परिणामों के साथ अन्य सभी पदाधिकारी भी निर्विरोध चुने गए। इसके अतिरिक्त राजेश कुमार को प्रबंध समिति (जिला प्रतिनिधि) का सदस्य और ज्ञानेश्वर गौतम को शासी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया।

चुनाव एम. मोदस्सिर (सेवानिवृत्त आईएएस) की देखरेख में हुए और उनकी घोषणा की गई जिन्होंने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने एक बयान में कहा, 'बिहार क्रिकेट के सभी हितधारकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और समर्थन से हम अभिभूत हैं। हमारी सामूहिक प्राथमिकता जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मज़बूत करना, मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना और राज्य भर में युवा व महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए अधिक अवसर पैदा करना होगा। हम सब मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने घोषणा की है कि पुरुष सीनियर और अंडर-23 टीमों के लिए चयन ट्रायल और तैयारी शिविर मंगलवार 30 सितंबर से पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में शुरू होगा। खिलाड़ियों को 29 सितंबर को शाम 4:00 बजे तक स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा। BCA ने हाल ही में खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन पर एक फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बिहार के खिलाड़ी न केवल शारीरिक रूप से मज़बूत रहें, बल्कि चोट लगने की स्थिति में जल्दी मैदान पर वापसी भी कर सकें।

बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेटरों पर सख्ती, आईपीएल में डेब्यू से पहले पास करनी होगी ये 'परीक्षा'

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने युवा क्रिकेटरों के लिए नया नियम लागू कर सबको चौंका दिया है। अब कोई भी खिलाड़ी सीधे आईपीएल की चकाचौंध में छलांग नहीं लगा पाएगा। IPL में जगह बनाने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट की 'परीक्षा' पास करनी होगी। यानी रणजी जैसे प्रथम श्रेणी मैच खेलना अब अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव न सिर्फ खिलाड़ियों को मजबूत बनाएगा बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी और मज़बूत करेगा।

नियम में बदलाव:घरेलू अनुभव अनिवार्य

बीसीसीआई ने साफ़ कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा तभी बन सकेंगे, जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हों। पहले ऐसा कोई नियम नहीं था, और कई खिलाड़ी सीधे नीलामी या ट्रायल से आईपीएल में एंट्री ले लेते थे।

वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण

इस बदलाव के महत्व को समझाने के लिए बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। मात्र 13 साल 243 दिन की उम्र में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदे गए वैभव ने डेब्यू से पहले ही बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में पारी खेली थी। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शामिल होने के बावजूद तैयार नज़र आए। अब तक उन्होंने पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में 100 रन बनाए हैं।

घरेलू क्रिकेट की अहमियत बढ़ी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव ज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

ज्यादा घरेलू मैच, ज्यादा इनाम

नए नियम के साथ बीसीसीआई ने एक और बड़ा ऐलान किया है–जो खिलाड़ी सीज़न में ज्यादा घरेलू मैच खेलेंगे, उन्हें ज्यादा भुगतान मिलेगा। इसका मकसद है खिलाड़ियों को लगातार खेलते रहने के लिए प्रोत्साहित करना और घरेलू टूर्नामेंटों को गंभीरता से लेने की प्रेरणा देना।

नतीजा : भारतीय क्रिकेट को नई दिशा

यह कदम भारतीय क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने वाला माना जा रहा है। अब हर जूनियर खिलाड़ी के लिए आईपीएल तक का रास्ता घरेलू क्रिकेट से होकर गुज़रेगा। इसका सीधा असर रणजी और दूसरे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ेगा, जिससे न केवल खिलाड़ियों बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी मजबूती मिलेगी।

रोहन जेटली बीसीसीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई : दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड की रविवार को हुई 94वीं वार्षिक आम बैठक में यह फैसला किया गया। इस फैसले से डीडीसीए में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित नियुक्ति पूरे डीडीसीए परिवार के लिए गौरव का क्षण है। हम श्री जेटली को निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हैं और उनके नेतृत्व में डीडीसीए को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की आशा करते हैं।

अब रणजी खेलने के बाद ही आईपीएल खेल सकेंगे युवा क्रिकेटर

मुम्बई। अब कोई भी क्रिकेटर सीधे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नहीं खेल पायेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक नया नियम बनाय है जिसके तहत वही खिलाड़ी आईपीएल खेल सकता है जो रणजी ट्रॉफी खेला हुआ हो। बीसीसीआई का मानना है कि इस नये नियम से घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा कोई क्रिकेटर नहीं कर पायेगा। बीसीसीआई ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटरों को भी आईपीएल खेलने से पहले जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल खेलना होगा। वहीं अब तक ऐसे क्रिकेटर सीधे ही आईपीएल खेल लेते थे। बोर्ड के इस फैससे से घरेलू क्रिकेट का महत्व बढ़ेगा क्योंकि पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा था कि क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में रुचि न लेते हुए मोटी रकम के लालच में सीधे आईपीएल खेलने का प्रयास कर रहे थे। वहीं बोर्ड का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव होना भीज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी अच्छी तरह से होंगे।नए नियम के साथ बीसीसीआई ने घोषणा की है जो खिलाड़ी घरेल सत्र मे अधिक मैच खेलेंगे। उन्हें ज्यादा ईनाम मिलेगा।

नेपाल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को हराकर सबको हैरान किया

शारजाह। नेपाल क्रिकेट यहां खेले गये पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विजेता को 19 रनों से हराकर सबको हैरान कर दिया। इस जीत से पता चलता है कि नेपाल क्रिकेट कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये पहली बार है जब नेपाल की टीम ने किसी पूर्णकालिक सदस्य देश को हराया है। नेपाल की टीम ने इस जीत से दिखा दिया है कि उसके खिलाड़ी खेल को लेकर कितने गंभीर है और उनमे जुनून की कमी नहीं है। इस मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही दो विकेट खो दिये पर इसके बाद कप्तान रोहित पौडेल ने 38 रन और कुशल मल्ला ने 30 रन बनाकर पारी को संभाला। वहीं इसके बाद गुलशन झा ने 22 और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 17 रन बनाये। इस प्रकार निर्धारित 20 ओवर्स में नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने 4 विकेट लिए जबकि पहला मैच खेल रहे नवीन बिदाईसी ने भी 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। काइल मेयर्स केव 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद एकीम ऑगस्टे ने 15 जबकि आमिर जंगू ने 19 रन बनाये। कीसी कार्टी 16 और अंत में फैबियन एलन 19 व कप्तान अकील हुसैन 18 रन ही बना पाये। कैरिबियाई टीम 20 ओवर में 9 पर केवल 129 रन ही बना पायी। नेपाल की ओर से कुशल भुरतेल ने सबसे अधिक 2 विकेट जबकि रोहित पौडेल, ललित राजबंशी, करण केसी, दीपेंद्र ऐरी और नंदन यादव ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत से जहां नेपाल टीम का मनोबल बढ़ा है, वहीं दो बार की विश्व विजेता रही वेस्टइंडीज के गिरते स्तर का अंदाजा होता है।

वेस्टइंडीज सीरीज में करुण नायर को जगह न मिलने पर कोच ने जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर करुण नायर को आगामी वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलने पर उनके बचपन के कोच विजय मद्यालकर ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 8 पारियों में 205 रन बनाए थे, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था, जिसके बावजूद उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रखा गया। मद्यालकर ने कहा कि नायर आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे और वह भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। उन्होंने बताया, मुझे उसके लिए बहुत बुरा लगा। मुझे लगता है कि वह एक और मौके का हकदार था। इंग्लैंड जैसी कठिन परिस्थितियों में, जहाँ बल्लेबाजी आसान नहीं होती, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कोच ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं का नजरिया अलग होता है और उनकी सोच का सम्मान करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है। वे अलग तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि नायर ने इंग्लैंड में जो किया, वह पर्याप्त था। उन्होंने भारत में भी अच्छे रन बनाए थे और अब उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मौका देना चाहिए था।

मद्यालकर का यह भी मानना है कि नायर की तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें भारतीय परिस्थितियों में विशेष रूप से प्रभावशाली बल्लेबाज बनाती है। भारत में विकेट और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार नायर का खेल अधिक कारगर हो सकता है। इंग्लैंड में हालात हमेशा बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होते। ऐसे खिलाड़ी को मौका देने से टीम को फायदा ही होगा, उन्होंने कहा। 34 वर्षीय करुण नायर का नाम लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में लिया जाता रहा है। हालांकि इंग्लैंड में उनके स्कोर अपेक्षाकृत मध्यम रहे, फिर भी कोच मद्यालकर का मानना है कि उनकी तकनीक और अनुभव उन्हें घरेलू परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं।

इस निर्णय के बाद क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय परिस्थितियों में अनुभव और तकनीक रखने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मौका दिया जाना चाहिए। करुण नायर की अगली चुनौती अब यह साबित करना होगी कि वह भारतीय परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए भारत की टीम: शुबमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

कोको गॉफ चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची, लेला फर्नांडीज को हराया

बीजिंग। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने रविवार को यहां कड़े मुकाबले में लेला फर्नांडीज को तीन सेट में हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गत चैंपियन गॉफ ने दूसरा सेट गंवाने के बावजूद फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट के 12वें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत दर्ज की। गॉफ इस डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। इससे पहले इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया जबकि अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा के 1-6, 7-5, 3-0 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई। महिला टूर्नामेंट के साथ चल रहे एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में लोरेंजो मुसेटी ने अनुभवी एड्रियन मनारिनो को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया। मुसेटी अगले दौर में लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने फ्लावियो कोबोली को 6-3, 6-2 से हराया।

बंगलादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की घोषणा की, टी20 सीरीज से बाहर हुए कप्तान लिटन दास

ढाका। बंगलादेश के कप्तान लिटन दास एशिया कप के दौरान पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, 'वह (दास) साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप के पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। एमआरआई स्कैन से पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव का पता चला है। वह रिकवरी कर रहे हैं और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मेडिकल टीम उनके पुनर्वास का प्रबंधन और उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।' यह 32 वर्षीय बल्लेबाज एशिया कप खेलने वाली बंगलादेशी टीम में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। शारजाह में खेली जाने वाली तीन मैचों की यह श्रृंखला 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

बंगलादेशी टीम – जैकर अली (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्या सरकार

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम चरण की मेजबानी करेगा कतर

दोहा। कतर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट सभी छह महाद्वीपों के क्लब चैंपियनों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। फाइनल 17 दिसंबर को होगा, जिसमें पेरिस सेंट-जर्मन अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उतरेंगे। तीसरा मैच, जिसे 'फीफा डर्बी ऑफ द अमेरिकास' कहा गया है, 10 दिसंबर को खेला जाएगा। इसमें मैक्सिकन क्लब क्रूज अज़ुल, जो कॉनकाकाफ चैंपियंस कप 2025 के विजेता हैं, और कॉनमेबोल लिबर्टाडोरेस 2025 के विजेता का मुकाबला होगा। डर्बी विजेता टीम 13 दिसंबर को मिस्र की पिरामिड्स के खिलाफ फीफा चैलेंजर कप में उतरेगी। पिरामिड्स ने 23 सितंबर को जेद्दा में फीफा अफ़्रीकी-एशियाई-प्रशांत कप जीतकर अपनी जगह पक्की की थी। प्रतियोगिता का समापन 17 दिसंबर को पांचवें मैच के साथ होगा, जिसमें चैलेंजर कप विजेता टीम पेरिस सेंट-जर्मन से भिड़ेगी। कतर इस साल फीफा अंडर-17 विश्व कप और फीफा अरब कप का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें फीफा विश्व कप 2022 के लिए बनाए गए स्टेडियम और सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। तीसरा और चौथा मैच अहमद बिन अली स्टेडियम में होंगे, जबकि फाइनल स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। पिछले साल, रियल मैड्रिड ने नए टूर्नामेंट प्रारूप में लुसैल स्टेडियम में पचुका को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी, जिसमें लगभग 70,000 दर्शक मौजूद थे। कतर की लगातार मेजबानी, विश्वस्तरीय फुटबॉल आयोजनों के लिए इसकी स्थायित्व और तैयारियों को उजागर करती है। इस साल का इंटरकॉन्टिनेंटल कप क्लब फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर अनुभव साबित होगा।

बुल्गारियाई पैरा खिलाड़ी ने रचा इतिहास, विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीता लगातार छठा स्वर्ण

स्पोर्ट्स डेस्क। खेलों की दुनिया में कुछ नाम सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास बदलने के लिए जाने जाते हैं। बुल्गारिया के पैरा शॉटपुट स्टार रुज़्दी ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया। दुबई में हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने न केवल लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नई ऊँचाई छू ली। उनका यह कारनामा खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं।

छठा स्वर्ण और नया विश्व रिकॉर्ड

34 वर्षीय रुज़्दी रविवार को पुरुषों की शॉटपुट स्न55 स्पर्धा में उतरे तो सबकी निगाहें उन पर थीं। आखिरी और छठे प्रयास में उन्होंने 12.94 मीटर की शानदार थ्रो लगाई। यह दूरी उनके ही 2023 पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए 12.68 मीटर के रिकॉर्ड से कहीं आगे थी। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पैरा शॉटपुट में अपना दबदबा और मज़बूत कर दिया।

पदक तालिका

स्वर्ण: रुज़्दी (बुल्गारिया) - 12.94 मीटर

रजत: नेबोजसा ड्यूरिक (सर्बिया) - 12.52 मीटर

कांस्य: लेक स्टोल्टमैन (पोलैंड) - 12.02 मीटर

ड्यूरिक और स्टोल्टमैन ने भले ही व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो, लेकिन रुज़्दी का जलवा उनके ऊपर भारी पड़ा।

एक ही दिन टूटे तीन रिकॉर्ड

दूसरे दिन सुबह के सत्र में रुज़्दी के अलावा भी तीन नए विश्व रिकॉर्ड बने।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुषों की लंबी कूद ञ्20 में 7.67 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपनी हैट्रिक पूरी की।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने शॉटपुट ञ्12 में 17.39 मीटर फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया।

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्न57 स्पर्धा में 34.54 मीटर का थ्रो लगाकर लगातार छठा स्वर्ण अपने नाम किया।

रुज़्दी की संघर्ष गाथा

रुज़्दी की सफलता सिर्फ खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बे की कहानी है। एक कार दुर्घटना में उनके कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपनी नई पहचान बना लिया। 2015 दोहा से शुरू हुई उनकी स्वर्ण यात्रा अब तक हर संस्करण में जारी है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

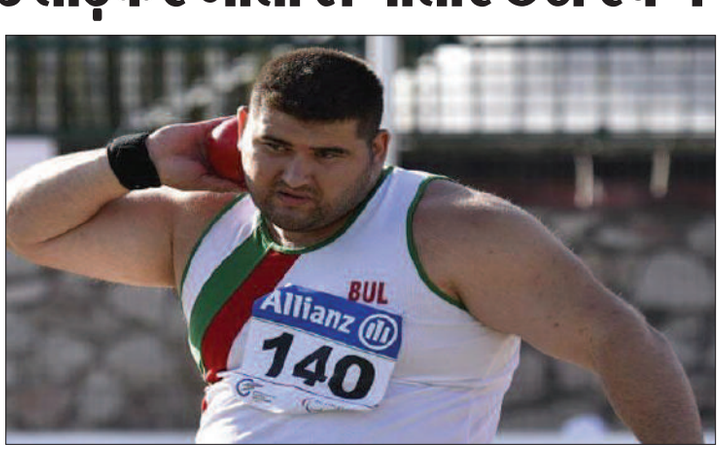

विक्रांत मैसी ने श्रीश्री रविशंकर की फिल्म पर दिया अपडेट

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड पाने के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में हैं। इस उपलब्धि से वह काफी खुश हैं। लेकिन असल में उनके लिए सफलता के मायने बिल्कुल अलग हैं। श्रीश्री रविशंकर के रोल को निभाने के बाद वह कैसा फील कर रहे हैं, इस बात का भी जिक्र विक्रांत मैसी ने किया है।

विक्रांत के लिए बदल गए सफलता के मायने दिल्ली में एएनआई से बातचीत करते हुए विक्रांत कहते हैं, '20 साल पहले जब मैंने शुरुआत की थी तो सफलता की परिभाषा अलग थी। आज मेरे लिए इसका मतलब है वो जिंदगी जीना जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इसका मतलब यह नहीं कि अवॉर्ड जीत जाऊं या मशहूर हो जाऊं। बस वो जिंदगी जीनी है जो हमेशा से जीना चाहता था। परिवार साथ हो और चैन की नींद सो सकूं। अपने बच्चे की परवरिश कर पाऊं। दुनिया घूमने जाऊं। अपनी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को पूरा कर कर सकूं। यही सफलता है।'

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक को लेकर क्या कहा

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को भी विक्रांत शेयर करते हैं। वह कहते हैं, 'यह एक बहुत ही खास फिल्म है। मैं गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी का रोल निभा रहा हूं। यह फिल्म पूरी तरह से दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में सेट है और 52 वर्षों तक चले गृहयुद्ध पर बेस्ड है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे गुरुदेव रविशंकर जी ने अहिंसा और क्षमा के भारतीय मूल्यों के माध्यम से वहां शांति की शुरुआत की। इस फिल्म का मकसद लोगों को सशक्त बनाना और गुरुदेव के योगदान पर चर्चा करना है। इस रोल को लेकर बहुत दबाव में हूं। अभी तक निर्माता और निर्देशक की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है।'

क्या वह अपना टॉक शो लॉन्च कर रही हैं कावेरी कपूर?

कावेरी कपूर ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट से अपने फॉलोअर्स को अटकलों के भंवर में डाल दिया है। इस दिलचस्प पोस्ट में वह एक आकर्षक, गुलाबी स्टूडियो जैसे सेटअप में बैठी दिख रही हैं, जहाँ पीछे वर्बल वॉमिट नाम की एक नीयॉन लाइट जल रही है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बस लिखा, कमिंग सुन... कैप्शन दिया, जिसने उनके अगले करियर स्टेप को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी है। यह सेटअप किसी साधारण सोशल मीडिया कंटेंट से कहीं ज़्यादा प्रोफेशनल दिखता है, जिससे अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि यह या तो एक टॉक शो होगा या फिर एक पॉडकास्ट सीरीज़। विभिन्न विषयों पर बेबाकी से बोलने की उनकी क्षमता और उनके स्वाभाविक आकर्षण से यह संकेत देते हैं कि इस प्रोजेक्ट का जो भी फ़ॉर्मेट हो, वह आज की युवा पीढ़ी से निश्चित रूप से जुड़ाव बना पाएगा, जो आज की क्यूरेटेड दुनिया में असलियत की तलाश कर रही है।

कावेरी ने खुद को इंडस्ट्री की सिर्फ एक और उभरती हस्ती से कहीं बढ़कर साबित किया है। वह एक ऐसी आवाज़ बन चुकी हैं, जिसे लोग सुनना चाहते हैं। जब वो सामने बैठ कर सवाल पूछेंगी और गहरी बातचीत का मंच देंगी, तो वर्बल वॉमिट एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बन सकता है जहाँ से ईमानदार और विचारोत्तेजक संवाद शुरू होंगे। चाहे वो किसी हाई-प्रोफ़ाइल मेहमान से तीखे सवाल करें या ट्रेंडिंग टॉपिक्स पर अपनी बेबाक राय साझा करें—एक बात तो तय है- यह त्रद्गद्व' स्टार हमें वह अनफ़िल्टर्ड कॉन्टेंट देने वाली है, जिसकी हमें ज़रूरत थी, लेकिन शायद हमें इसका अंदाज़ा भी नहीं था।

जहाँ उनका अगला प्रोजेक्ट सुर्खियाँ बटोर रहा है, वहीं कावेरी इन दिनों शेखर कपूर की मासूम 2 में व्यस्त हैं और साथ ही उनका अगला सिंगल, जिसे नॉटी बॉय ने प्रोड्यूस किया है, रिलीज़ के लिए तैयार है। कावेरी की छवि एक ऐसी युवा आवाज़ बन चुकी है जो बेबाक और बिना फ़िल्टर के अपनी बात रखती है। ऐसे में वर्बल वॉमिट उनके लिए एक परफ़ेक्ट प्लेटफ़ॉर्म हो सकता है, जहाँ वे अपनी पीढ़ी के अहम मुद्दों पर गहराई से बात कर सकें। चाहे यह एक स्टाइलिश टॉक शो के रूप में सामने आए या फिर एक निजी और ईमानदार पॉडकास्ट के रूप में, यह प्रोजेक्ट उन बेबाक और सच्ची बातचीतों का वादा करता है जो आज के समय में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए मीडिया परिदृश्य में दुर्लभ होती जा रही है।

दिलजीत के एमी नॉमिनेशन पर डायरेक्टर इम्तियाज ने की पोस्ट

फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' और एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की अलग-अलग कैटेगरी में हुआ है। इस खबर को सुनकर दिलजीत के बाद डायरेक्टर इम्तियाज अली और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। दिलजीत दोसांझ की करियर में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगिरी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए उनका नॉमिनेशन हुआ है। दिलजीत की खुशी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के इम्तियाज अली और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी शामिल हुए। दोनों ने दिलजीत के नॉमिनेशन की बात को अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। सिंगर, एक्टर दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में लीड रोल किया था, फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली हैं। इम्तियाज ने दिलजीत के इंटरेशनल एमी नॉमिनेशल वाले पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किया है। बताते चलें कि फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए दिलजीत दोसांझा का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगरी में हुआ है। वहीं इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी सीरीज कैटेगरी में भी जगह मिली है।

साई पल्लवी को मिलेगा कलैमामणि अवॉर्ड

तमिलनाडु सरकार ने कला और संस्कृति में योगदान देने के लिए भरतियार, एमएस सुब्बुलक्ष्मी और कलैमामणि पुरस्कारों की घोषणा की। ये अवॉर्ड साल 2021, 2022 और 2023 के लिए कलाकारों को दिए जाएंगे। इसमें सिंगर केजे येसुदास को संगीत में उनके योगदान के लिए एमएस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं अभिनेत्री साई पल्लवी ने कलैमामणि पुरस्कार अपने नाम किया।

साई पल्लवी और एसजे सूर्या को मिला कलैमामणि पुरस्कार

साल 2021 के लिए अभिनेत्री साई पल्लवी, अभिनेता एसजे सूर्या, निर्देशक लिंगुसामी, सेट डिजाइनर एम जयकुमार और स्टंट कोरियोग्राफर सुपर सुब्बारायण को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई। वहीं टेलीविजन अभिनेता पीके कमलेश को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

संगीतकार अनिरुद्ध को भी मिलेगा कलैमामणि

जबकि साल 2023 के लिए अभिनेता मणिकंदन, जॉर्ज मेरीन, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर, गायिका श्वेता मोहन, कोरियोग्राफर सैंडी उर्फ संतोषकुमार, जनसंपर्क अधिकारी और निक्किल मुरुकन को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में टेलीविजन अभिनेता एनपी उमाशंकर बाबू और अजगन तमिजमनी को भी कलैमामणि पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

अक्तूबर में दिए जाएंगे अवॉर्ड

ये पुरस्कार तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति निदेशालय की संस्था तमिलनाडु इयाल इसाई नाटक मंद्रम द्वारा प्रदान किए जाते हैं। आज इन पुरस्कारों की घोषणा हुई है। ये पुरस्कार अक्तूबर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने एक बयान में बताया कि प्रत्येक विजेता कलाकार को तीन स्वर्ण पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

हर जगह होती है राजनीति, इसके लिए आपको खुद को तैयार करना होगा

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आईं हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

हिम्मत का मतलब निडरता नहीं...

जब भारत में मी टू आंदोलन शुरू हुआ था तब मैं उन चुनिंदा कलाकारों में थी जिन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उस समय मैं एक टीवी शो की जज थी और 18 एपिसोड शूट कर चुकी थी। जैसे ही मैंने आवाज उठाई मुझे बहिष्कृत कर दिया गया। उस शो से मेरी जगह चली गई। मुझे कई साल कोई बड़ा काम नहीं मिला, लेकिन यह सब करना जरूरी था। मेरी आवाज ने उस चर्चा को जन्म दिया, जो लंबे समय से जरूरी थी। इसके बाद महिलाओं के लिए काम करने की जगहें अधिक सुरक्षित और बेहतर बनीं। मेरी मेहनत और संघर्ष का महत्व साफ हो गया।

मेरी आवाज ने बदलाव की शुरुआत की

अपने कॉलेज के दिनों का एक अनुभव साझा करूंगी। मैं एक बस में सफर कर रही थी। उसी बस में एक आदिवासी जोड़ा भी सफर कर रहा था। कंडक्टर ने उन्हें धोखा देकर ज्यादा किराया वसूलने की कोशिश की। मैंने बीच में दखल दिया तो उसने मुझे धमकाया कि बीच हाईवे पर ही उतार देगा। उस समय मैंने हिम्मत जुटाकर उसे बेवकूफ बनाया कि मैं एक पत्रकार हूं और बड़े लोगों से मेरा संपर्क है। आखिरकार मामला सुलझ गया। उस दिन मुझे यह समझ आया कि हिम्मत का मतलब निडर होना नहीं, बल्कि सही समय पर सही बात के लिए खड़ा होना है। खासतौर पर तब, जब किसी और की इज्जत दांव पर लगी हो।

साहस रोजाना की मेहनत में है

साहस का मतलब है हर दिन अपनी सच्चाई के साथ खड़ा रहना, चाहे वह मुश्किल या असुविधाजनक ही क्यों न हो। हर दिन खुद को दिखाना, मेहनत करना और डटे रहना..यही मेरी प्रेरणा है। मुझे खुशी है कि मेरा काम, मेरे कई गाने और प्रदर्शन समाज में विचारों को जागृत करने का जरिया बने। मुझे क्या बेचेगा रुपैया ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए सशक्तिकरण का संदेश दिया। रंगाबती ने ओडिशा की लोककला को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। बेखौफ ने महिलाओं को अपनी आजादी और जगह फिर से हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मेरे लाइव शो ने यह दिखाया कि संगीत, नृत्य और कहानी के माध्यम से समाज में संवाद और बदलाव संभव है। मेरे लिए सच्ची खुशी केवल गायिका बनने में नहीं, बल्कि एक कलाकार बनने में है, जिसकी कला समाज के विचारों को चुनौती देती है और समय की झलक दिखाती है। मैंने तीन ओरिजिनल लाइव फॉर्मेट्स बनाए हैं - लाल परी मस्तानी, और सोना तराशा। मैंने ये तय किया कि बॉलीवुड पर निर्भर न रहकर अपनी अलग इंडिपेंडेंट राह बनाऊं। मैंने देखा है कि संगीत, डांस और कहानी कहने का तरीका सोच बदल सकता है और नए संवाद खोल सकता है। भारत में औरतों को हमेशा सिर्फ खूबसूरत परफॉर्मर के रूप में देखा गया है, कभी प्रोड्यूसर की कुर्सी पर नहीं। मैं अपने इन शोज के जरिए ये कर रही हूं और दूसरों के लिए भी नए मौके बना रही हूं।

अपनी आवाज पर भरोसा रखें

अंत में महिलाओं को बस यही संदेश देना चाहूंगी कि सही समय का इंतजार मत करें। आपकी आवाज आज भी महत्वपूर्ण है। हां, प्रतिरोध आएगा और हां, आपको कुछ खोना पड़ सकता है, लेकिन चुप रहना लंबे समय में कहीं ज्यादा महंगा है। अपने भीतर की आवाज पर भरोसा रखें और लगातार प्रयास करते रहें। हर बार जब आप खड़े होते हैं, आप दूसरों के लिए रास्ता आसान बनाते हैं। यही असली बदलाव है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।